twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | मंगलवार, 08 अप्रैल, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 153, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 50 रुपए बढ़े

पेट्रोलियम कंपनियों के घाटे से बढ़े गैस सिलेंडर के दाम..

दिल्ली में पारा 40 के पार, अलर्ट जारी

नई दिल्ली

दिल्ली में सोमवार को मौसम का सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया। सफदरजंग में पारा 40.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया जो सामान्य से 5.1 डिग्री अधिक है। राजधानी और उत्तर तथा मध्य भारत के अन्य भागों के लिए पहले ही हीट-वेव अलर्ट जारी किया जा चुका है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार पालम में तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो मौसमी औसत से चार डिग्री अधिक है। सोमवार और मंगलवार को दिल्ली के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें बुधवार तक अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। सोमवार को मौसम विभाग ने अपने ताजा बुलेटिन में कहा कि मौसम केंद्र सफदरजंग में रविवार को अधिकतम तापमान 38.2 डिग्री दर्ज किया गया था जो सामान्य से तीन डिग्री अधिक था और शनिवार को 35.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। सफदरजंग में इस सीजन का पिछला उच्चतम तापमान 3 अप्रैल को 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। दिल्ली के अलावा, उत्तर और मध्य भारत के कई राज्यों में लू चलने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में 7 अप्रैल को लू चल सकती है, जबकि हरियाणा, चंडीगढ़ एवं पंजाब में 7 से 10 अप्रैल तक ऐसी ही स्थिति रहने की संभावना है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 7 से 9 अप्रैल तक और मध्य प्रदेश में 8 से 10 अप्रैल तक लू चलने की संभावना है।

उपभोक्ता फोरम गिरफ्तारी का वारंट जारी नहीं कर सकता

नई दिल्ली

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने अपने एक आदेश में कहा है कि उपभोक्ता फोरम गिरफ्तारी का वारंट जारी नहीं कर सकता है, और यह केवल नागरिक जेल में हिरासत में रखने का आदेश दे सकता है। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण फोरम के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर कलकत्ता उच्च न्यायालय ने यह अहम टिप्पणी की। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण फोरम ने याचिकाकर्ता के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था, जिसके खिलाफ याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय का रुख किया था।

जस्टिस सुब्रा घोष ने सुनवाई के दौरान कहा कि कानून, उपभोक्ता फोरम को आपराधिक प्रक्रिया संहिता के तहत गिरफ्तारी वारंट जारी करने का अधिकार नहीं देता है।

उज्ज्वला के लाभार्थियों को भी झटका, आज से लागू

नई दिल्ली

घरेलू गैस सिलेंडर 50 रुपए महंगा हो गया है। आज यानी, सोमवार 7 अप्रैल को पेट्रोल मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इसकी जानकारी दी। अभी दिल्ली में गैस सिलेंडर 803 रुपए में मिलता है। दाम बढ़ने के बाद कीमत 853 रुपए हो जाएगी। वहीं उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के गैस सिलेंडर की कीमत 500 से बढ़कर 550 रुपए हो जाएगी। आखिरी बार सरकार ने 8 मार्च 2024 को महिला दिवस पर सिलेंडर के दामों में 100 रुपए की कटौती थी। तब दिल्ली में सिलेंडर 903 रुपए का था।

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने दाम क्यों बढ़ाए

पेट्रोलियम मंत्री ने कहा- ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को लागत से कम कीमत पर सिलेंडर बेचने के कारण लगभग 41,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। इस घाटे को कम करने के लिए कीमतें बढ़ाने का फैसला लिया गया।

1 अप्रैल को कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम 44.50 घटाए थे

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 1 अप्रैल को 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम 44.50 तक घटाए थे। दिल्ली में इसकी कीमत 41 घटकर 1762 हो गई। पहले ये 1803 में मिल रहा था। कोलकाता में यह 44.50 घटकर 1868.50 में मिल रहा है, पहले इसके दाम 1913 थे। मुंबई में सिलेंडर 1755.50 से 42 घटकर 1713.50 रुपए हो गया है। चेन्नई में सिलेंडर 1921.50 का मिल रहा है। हालांकि, 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में यह 803 और मुंबई में 802.50 का मिल रहा है।

वैश्विक मंदी की आशंका से 4 साल के निचले स्तर पर पहुंचा कच्चा तेलडब्ल्यूटीआई क्रूड 60

नई दिल्ली

अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी ने दुनिया भर के स्टॉक मार्केट को तबाह करने के साथ ही ग्लोबल मार्केट में क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) की कीमतों को भी 4 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंचा दिया है। आज ब्रेंट क्रूड गिर कर 62.53 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 60 डॉलर के लेवल से भी नीचे लुढ़क कर 59 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया। जानकारों का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई टैरिफ पॉलिसी के कारण आर्थिक मंदी का डर बन गया है।

पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज 2 रुपए बढ़ी, तेल कंपनियां उठाएंगी बोझ

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 2 रुपए प्रति लीटर बढ़ा दी है। हालांकि, आधे घंटे बाद ये भी साफ किया कि इससे पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे। ये खर्चा पेट्रोलियम कंपनियां उठाएंगी। अभी सरकार पेट्रोल पर 19.90 रुपए लीटर और डीजल पर 15.80 रुपए लीटर एक्साइज ड्यूटी वसूल रही है। इस बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल पर 21.90 रुपए लीटर और डीजल पर 17.80 रुपए लीटर ड्यूटी लगेगी। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ड्यूटी को कच्चे तेल की घटी कीमतों से एडजस्ट किया जाएगा। अगर आगे भी कच्चे तेल के दाम घटे रहे तो पेट्रोल-डीजल के दामों में गिरावट आ सकती है।

कैसे एडजस्ट होंगी कीमतें

पेट्रोलियम मार्केट एक्सपर्ट नरेंद्र तनेजा ने बताया, 'जो एक्साइज ड्यूटी बढ़ाई गई है ये तेल कंपनियों को अपनी कमाई में से देनी होगी। कंपनियां इसे पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी करके आम

कैसे तय होती है गैस सिलेंडर की कीमत तेल कंपनियां हर महीने पिछले महीने के अंतरराष्ट्रीय मूल्यों, एक्सचेंज रेट और अन्य लागतों के आधार पर एलपीजी की बेस प्राइस तय करती हैं। इसके बाद टैक्स, ट्रांसपोर्ट, और डीलर कमीशन जोड़कर खुदरा मूल्य निकाला जाता है। सब्सिडी वाले सिलेंडर के लिए सरकार अंतर की भरपाई करती है, जबकि गैर-सब्सिडी वाले सिलेंडर की पूरी कीमत ग्राहक चुकाता है।

तेल कंपनियों की क्षतिपूर्ति के लिए पेट्रोल-डीजल पर उपाद शुल्क में की गई वृद्धि : हरदीप सिंह पुरी

नई दिल्ली

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में दो रुपये प्रति लीटर की यह वृद्धि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों को होने वाले 43 हजार करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति पूरा करने के लिए की गई है, जो उन्हें गैस के हिस्से पर हुए नुकसान के रूप में हुआ है। इसका असर पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर नहीं होगा। हरदीप सिंह पुरी ने राजधानी नई दिल्ली में एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, आपने वित्त मंत्रालय की एक अधिसूचना देखी होगी, जिसमें कहा गया है कि पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की जा रही है। मैं यह स्पष्ट कर दूं कि इसका बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला जाएगा। उन्होंने कहा कि आपने जो उत्पाद शुल्क में वृद्धि देखी है, उसका बोझ पेट्रोल और डीजल के उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ेगा। पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि उत्पाद शुल्क में यह वृद्धि तेल विपणन कंपनियों को 43,000 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति करने के लिए की गई है, जो उन्हें गैस के हिस्से पर हुए नुकसान के रूप में हुआ है...। हरदीप सिंह ने इस तर्क को स्पष्ट करते हुए कहा कि कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमत घटकर लगभग 60 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई है, लेकिन सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियां 45 दिनों की अवधि के लिए स्टॉक रखती हैं।

टैरिफ से हाहाकार: वैश्विक दबाव में शेयर बाजार टूटा, निफ्टी में 10 महीने की सबसे बड़ी गिरावट

नई दिल्ली

ट्रेड वॉर गहराने की आशंका और अमेरिका में मंदी के डर ने पूरी दुनिया के स्टॉक मार्केट के लिए आज के दिन को ब्लैक मंडे बना दिया। घरेलू शेयर बाजार भी वैश्विक स्तर पर मचे हड़कंप की वजह से बुरी तरह से ध्वस्त होता हुआ नजर आया। हालांकि दोपहर 1 बजे के बाद बाजार में खरीदारी शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक कुछ हद तक रिकवरी करने में सफल रहे। इसके बावजूद निफ्टी में आज 10 महीने की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 2.95 प्रतिशत और निफ्टी 3.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

अमेरिकी नई टैरिफ पॉलिसी लागू करने के बाद चीन और कुछ अन्य देशों ने भी अमेरिका पर जवाबी कार्रवाई करने का ऐलान करके हड़कंप की स्थिति बना दी है। इसकी वजह से ग्लोबल ट्रेड वॉर शुरू होने और वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक बार फिर मंदी के भंवर में फंसने की आशंका बन गई है। इसी डर की वजह से दुनिया के दूसरे शेयर बाजारों की तरह ही घरेलू शेयर बाजार में भी आज जोरदार गिरावट का रुख बना।

दिल्ली के सभी 1677 निजी स्कूलों का आडिट कराएगी सरकार: आशीष सूद

नई दिल्ली

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा है कि हमारी सरकार शिक्षा का व्यवसायीकरण नहीं होने देगी। उन्होंने सोमवार को सचिवालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली के सभी 1677 निजी स्कूलों का ऑडिट (लेखा परीक्षण) कराया जाएगा। दिल्ली में 1677 निजी स्कूल हैं, जिनमें से 335 सरकारी जमीन पर बने हैं। इनके लिए 1973 के दिल्ली स्कूल एक्ट में यह नियम है कि फीस बढ़ाने से पहले राज्य सरकार से अनुमति लेना जरूरी है। इनमें से 114 स्कूल ही ऐसे हैं जिनको फीस बढ़ाने के लिए अनुमति लेने के लिए कोई बाध्यता नहीं हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश के बाद डीपीएस (द्वारका) स्कूल की जांच के लिए जिलाधिकारी (डीएम) के नेतृत्व में एक जांच कमेटी बनाई गई है। शिकायत मिली थी कि डीपीएस द्वारका में साल दर साल स्कूल फीस बढ़ाई गई थी। सरकार अगले 10 दिन के अंदर दिल्ली की जनता को यह बताएगी कि किस-किस स्कूल ने पिछले सालों में कितनी फीस बढ़ाई है। सारा डाटा सरकार शिक्षा विभाग की साइट पर भी डाल दिया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने बताया कि पहली बार मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार ने दिल्ली के सभी एसडीएम के नेतृत्व में 1677 निजी स्कूलों में ऑडिट रिपोर्ट लेने के लिए कमेटी बनाकर जांच करने के निर्देश दिए हैं। हर निजी स्कूल को 1973 के एक्ट में जो भी नियम कानून है, उसका पालन करना ही होगा। उन्होंने बताया कि हमने निजी स्कूलों में फीस वृद्धि से संबंधित मामले को लेकर उप निदेशक के

दस वर्षों में पीएम मुद्रा योजना के बांटे गए 32 लाख करोड़ के लोन, उद्यमिता क्रांति को बढ़ावा मिला

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत 10 वर्षों में 32.61 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 52 करोड़ से अधिक लोन दिए गए हैं।इस योजना से देशभर में उद्यमिता क्रांति को बढ़ावा मिला है। इससे व्यापार वृद्धि अब सिर्फ बड़े शहरों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह छोटे शहरों और गांवों तक फैल रही है, जहां पहली बार उद्यमी अपने भाग्य की बागडोर संभाल रहे हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की शुरूआत 8 अप्रैल, 2015 को की गई थी। तब से दस वर्षों के दौरान 32.61 लाख करोड़ रुपये के 52 करोड़ से ज्यादा लोन स्वीकृत किए गए हैं। यही वजह है कि लोग अब नौकरी चाहने वाले नहीं रह गए हैं, बल्कि वे नौकरी देने वाले बन रहे हैं। इस योजना से छोटे शहरों और गांवों तक कारोबार बढ़ाने में मदद मिली है। इस योजना से पहली बार कारोबार करने वाले लोगों को प्रोत्साहन भी मिला है। एसकेओसीएच की आउटकम्स ऑफ मोदीनॉमिक्स 2014-24 की रिपोर्ट के मुताबिक 2014 से हर साल औसतन कम से कम 5.14 करोड़ व्यक्ति वर्ष रोजगार सृजित हुए हैं, जिसमें अकेले पीएमएमवाई ने 2014 से प्रति वर्ष औसतन 2.52 करोड़ स्थिर और टिकाऊ रोजगार जोड़े हैं। इस परिवर्तन का एक उदाहरण जम्मू-कश्मीर है, जिसे पीएम मुद्रा योजना के तहत अत्यधिक लाभ हुआ है और 20,72,922 मुद्रा लोन स्वीकृत किए गए हैं। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक इस योजना से महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद मिली और 70 फीसदी से अधिक लोन महिला उद्यमियों के द्वारा लिए गए हैं, जिससे उनकी वित्तीय स्वतंत्रता बढ़ी है।

भारत और उज्बेकिस्तान के बीच गहरे ऐतिहासिक संबंध: ओम

नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान के बीच गहरे ऐतिहासिक संबंध हैं और दोनों देश एससीओ, संयुक्त राष्ट्र और ब्रिक्स जैसे विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर एक दूसरे के सहयोगी रहे हैं। उन्होंने पारंपरिक क्षेत्रों के साथ-साथ डिजिटल प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, नवीकरणीय ऊर्जा और परमाणु ऊर्जा जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। ताशकंद यात्रा के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और भारतीय संसद के शिष्ट मंडल के सदस्यों ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित की। ओम बिरला ने आज अंतर-संसदीय संघ की 150वीं सभा के अवसर पर ताशकंद में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शवकत मिजीयोयेव के साथ हुई बैठक में यह बात कही। इस दौरान उन्होंने दोनों देशों के संसदीय अधिकारियों को एक-दूसरे की प्रणालियों तथा सर्वोत्तम प्रथाओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए संसदीय आदान-प्रदान को बढ़ावा देने का प्रस्ताव रखा। भारत-उज्बेकिस्तान संबंधों का उन्नयन कर इसे रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिए जाने और बीते कुछ वर्षों में इसमें नए आयाम जोड़े जाने के बारे में बात करते हुए बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों में अर्थव्यवस्था, रक्षा, शिक्षा तथा व्यापार जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा है।

भारत-पुर्तगाल बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को मजबूत करने पर हुए सहमत

नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और पुर्तगाल के राष्ट्रपति मासेलो रेबेलो डी सूसा के बीच सोमवार को द्विपक्षीय वार्ता हुई। इस दौरान दोनों देश संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय मंचों पर समन्वय और सहयोग को मजबूत करने पर सहमत हुए। राष्ट्रपति मुर्मु और राष्ट्रपति डी सूसा ने आज संयुक्त रूप से राजनयिक संबंधों की पुनः स्थापना के 50 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में डाक टिकट जारी किए। इस डाक टिकट पर पारंपरिक भारतीय कालबेलिया (राजस्थान की जनजाति का लोक नृत्य) पोशाक और पुर्तगाल की वियाना पारंपरिक पोशाक प्रदर्शित है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि दोनों नेताओं ने व्यापार और वाणिज्य, संस्कृति, पर्यटन और जन संबंधों के क्षेत्र में सहयोग को अधिक मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। आगामी क्षेत्रों में साझेदारी को बढ़ाने पर भी विचार किया।

मोदी ने देश में नई खेल संस्कृति को दिया बढ़ावा: सीएम योगी आदित्यनाथ

लखनऊ

प्राचीन काल से ही खेलकूद की गतिविधियां भारत के जीवन का हिस्सा रही हैं। ऐसे में भारतीय मनीषियों ने भी कहा है कि धर्म के जितने भी साधन हैं, उसकी पूर्ति एक स्वस्थ शरीर से ही की जा सकती है। स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ मस्तिष्क निवास कर सकता है। अगर आप सशक्त राष्ट्र की परिकल्पना को साकार करना चाहते हैं तो हमें स्वस्थ भारत चाहिए। इसके लिए खेलकूद की गतिविधियों को हर स्तर पर प्रोत्साहित करने के दिशा में प्रयास होने चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में एक नई खेल संस्कृति को बढ़ावा दिया है। खेलो इंडिया, फिट इंडिया मूवमेंट के साथ देश में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के माध्यम से प्रत्येक जनपद में सांई के केंद्र इस बात के उदाहरण हैं। इन सभी कार्यक्रमों को ध्यान में रख कर-के ही देश में ऑल इंडिया पुलिस के टूर्नामेंट के कार्यक्रम को आगे बढ़ाने की श्रृंखला प्रारंभ हुई है। यह अत्यंत प्रसन्नता का क्षण है कि आज से अगले 5 दिनों तक ऑल इंडिया पुलिस हैंडबॉल क्लस्टर- 2025 का आयोजन उत्तर प्रदेश की राजधानी में होने जा रहा है। इसमें देशभर के केंद्रीय बलों और विभिन्न राज्यों के पुलिसबलों से जुड़े हुई 75 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। प्रतियोगिता में 1,341 खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। इसमें 336 महिला खिलाड़ी भी हिस्सेदार बनने जा रही हैं। इस आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश का चुनाव करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त करता हूं। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को प्रथम अखिल भारतीय पुलिस हैंडबॉल क्लस्टर 2024-2025 के उद्घाटन समारोह में कही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहली बार किसी प्रतियोगिता में 75 से अधिक टीमें और 1,341 खिलाड़ी एक साथ प्रतिभाग कर रहे हैं। प्रदेश की राजधानी में देश भर से पूर्वोत्तर के सुदूर मणिपुर से लेकर करके केरल और तमिलनाडु की टीम, जम्मू कश्मीर से लेकर करके तेलंगाना की टीम, वेस्ट बंगाल की टीमें आयोजन का हिस्सा बन करके इसे नई ऊंचाई पर पहुंचाएंगी। प्रतियोगिता एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार कर रही हैं। उन्होंने कहा कि खेलकूद की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए देश ने एक नई खेल संस्कृति को आगे बढ़ाया है। उसी का परिणाम है कि खेलकूद भी व्यक्ति के जीवन को सजाने और संवारने का माध्यम बन रहा है। सरकार ने प्रदेश में खेल नीति लागू की है। पिछले 5 वर्षों में अकेले उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग ने 500 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी सुनिश्चित की है। वहीं सरकार द्वारा मेडल प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को उत्तर प्रदेश पुलिस बल का हिस्सा बनाया गया है। सरकार ने उत्तर प्रदेश पुलिस में सीधी भर्ती के माध्यम से 500 से अधिक खिलाड़ियों को अभी तक अलग-अलग पदों पर भर्ती किया है। सीएम ने कहा कि खेल कूद की गतिविधियों को बढ़ाने के लिए 65,000 से अधिक महिला और पुरुष मंगल दल को स्पोर्ट्स किट गांव-गांव में वितरित की।

भारतीय संविधान में सभी की प्रगति की भावना पर जोर: लोक सभा अध्यक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली/ताशकंद। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारतीय संविधान के समावेशी और कल्याणकारी स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संविधान में सभी नागरिकों को समान मानने, उन्हें समान अवसर प्रदान करने तथा वंचित और पिछड़े वर्गों के लोगों को प्रगति की मुख्य धारा से जोड़ने की भावना प्रधान है। ताशकंद (उज्बेकिस्तान) में अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) की ऐतिहासिक 150वीं सभा में सामाजिक विकास और न्याय के लिए संसदीय प्रयास विषय पर मुख्य भाषण देते हुए बिरला ने कहा कि भारत की संसद ने हाल के वर्षों में ऐसे अनेक विधेयक पारित किए हैं, जो सामाजिक न्याय एवं सुरक्षा तथा सभी वर्गों के समावेशन को बढ़ावा देते हैं। समाज के कमजोर वर्गों के हितों की रक्षा के लिए संसद की प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम - 2016', उभयलिंगी व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019' और 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023' जैसे कानून समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा करते हैं। इस संदर्भ में उन्होंने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा के लिए संसद से पारित नए श्रम कानूनों और संहिताओं का उल्लेख भी किया। उन्होंने आईपीयू असेंबली में

भाग ले रहे प्रतिभागियों को रामनवमी की शुभकामनाएं भी दीं। बिरला ने कहा कि भारतीय दंड संहिता' को 'भारतीय न्याय संहिता' से प्रतिस्थापित कर भारत ने न्याय की प्राथमिकता को स्थापित किया है। विकास और सामाजिक न्याय के लक्ष्यों को प्राप्त करने में संसदीय समितियों के प्रयासों का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि विभिन्न संसदीय समितियां, जिन्हें हम मिनी संसद भी कहते हैं, संसद व सरकार के प्रयासों के पूरक के रूप में कार्य करती हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता संबंधी समिति, महिला अधिकारिता संबंधी समिति, श्रम और कौशल विकास संबंधी समिति तथा अन्य विविध समितियां कल्याणकारी कार्यक्रमों की निगरानी करती हैं, जिससे योजनाओं का कार्यान्वयन प्रभावी तथा जवाबदेह ढंग से हो।

बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि भारत सरकार मानव विकास के प्रमुख संकेतकों के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पूरी लगन के साथ काम कर रही है। इस संबंध में उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री - जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) के अंतर्गत आर्थिक रूप से पिछड़ी भारत की 40 फीसदी आबादी को निशुल्क स्वास्थ्य बीमा की सुविधा दी जा रही है। बिरला ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में 105 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि के साथ भारत पिछले एक दशक में विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था रहा है तथा विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है।बिरला ने यह भी कहा कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

वक्फ संशोधन से जदयू में कोई नाराजगी नहीं : संजय झा

एजेंसी

पटना। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद संजय झा ने कहा कि वक्फ संशोधन को लेकर पार्टी में कहीं कोई नाराजगी नहीं है। उन्होंने कहा कि यह कोई पहली बार संशोधन नहीं हुआ है, इसके पहले भी संशोधन हो चुका है। उन्होंने दावा किया कि बिहार के पसमांदा मुसलमानों के बीच अब बेहतर काम हो पाएगा। पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान जदयू नेता ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक लाने का उद्देश्य गरीब मुसलमानों को इसकी सही सुविधा देना है। जेपीसी बनी तो हमारी पार्टी के लोग भी थे। मुस्लिम समाज के लोग भी नीतीश कुमार से मिले। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गरीब मुसलमानों को अब इसका ज्यादा फायदा मिलेगा। पूरी पारदर्शिता आएगी और सही जगह पैसा लगेगा। इस विधेयक के खिलाफ कई पार्टियों द्वारा सर्वोच्च न्यायालय जाने को लेकर उन्होंने कहा कि यह किसी का अधिकार है। अदालत इसे लेकर तय करे। लेकिन उसका उद्देश्य व्यापक सुधार है। पसमांदा और महिला समाज को ज्यादा लाभ होगा। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि बिहार में सबसे अधिक पसमांदा समाज के मुसलमान हैं, लेकिन क्या वक्फ से उनके बीच कोई काम हुआ है? अस्पताल बना है, स्कूल खुला है? उन्होंने दावा करते हुए कहा कि इसे लेकर जदयू में कोई नाराजगी नहीं है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि 2005 के पहले पंचायत चुनाव में आरक्षण था? जब नीतीश कुमार सत्ता में आए, तब आरक्षण मिला। पसमांदा समाज के लोग आज मुखिया और पंचायत समिति के सदस्य बने हुए हैं, वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ही देन हैं।

यूपी में वन अपराधों पर अंकुश लगाने और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए चलेगा अभियान

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को हरित प्रदेश बनाने की दिशा में अग्रसर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में 8 अप्रैल से 8 मई तक वन और वन्य जीव सुरक्षा माह का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत प्रभागों में वन अपराधों पर अंकुश लगाने और वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर अभियान चलाया जाएगा। इसमें वन बल और पुलिस के साथ ही नेपाल सीमा पर एसएसबी आदि सुरक्षा बलों का भी सहयोग लिया जाएगा। साथ ही नागरिकों को जागरूक करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया जाएगा। प्रधान मुख्य वन संरक्षक व विभागाध्यक्ष सुनील चौधरी ने बताया कि यह अभियान 8 अप्रैल से 8 मई तक प्रतिदिन चलेगा। प्रतिदिन तीन शिफ्ट में इस अभियान को चलाया जाएगा। पहली शिफ्ट सुबह छह से दोपहर दो तक, दूसरी दोपहर दो से रात्रि 10 और तीसरी शिफ्ट रात्रि 10 से सुबह छह बजे तक चलेगी। इसके लिए प्रभागों में टीम का गठन किया जा रहा है। यह टीम वन भूमि पर होने वाले अतिक्रमण को भी हटाएगी। जोनल/मंडलीय वन संरक्षक अभियान के नोडल अधिकारी होंगे। वे प्रतिदिन की रिपोर्ट प्रधान मुख्य वन संरक्षक व विभागाध्यक्ष कार्यालय में स्थापित कमांड सेंटर को भेजेंगे। साथ ही नोडल अधिकारी की देखरेख में आमजन को हरीतिमा बढ़ाने के साथ ही वनाग्नि की घटनाओं पर नजर रखने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। अभियान के साथ ही वनाग्नि की घटनाओं को भी न्यूनतम करने के लिए ग्रामीणों को जागरूक किया जाएगा। अग्नि नियंत्रण सेल मुख्यालय के नोडल अधिकारी पीपी सिंह ने बताया कि गर्मियों में वन क्षेत्रों में आग लगने की घटनाएं न हों, सुरक्षा माह में इसके लिए भी आमजन को जागरूक किया जाएगा। आमजन को बताया जाएगा कि जंगलों या वन क्षेत्र में आग की छोटी से छोटी घटनाओं की जानकारी प्रभागीय वनाधिकारी या अग्नि नियंत्रण सेल को दें, जिससे घटनाओं को समय रहते रोका जा सके। आमजन को हेल्पलाइन नंबर की भी जानकारी दी जाएगी।

प्रयागराज की दरगाह पर भगवा झंडा लहराने का मामला :पुलिस सख्त, जांच जारी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से एक संवेदनशील मामला सामने आया है, जहां सिकंदरा क्षेत्र में स्थित एक दरगाह पर भगवा झंडा लहराया गया और धार्मिक नारेबाज़ी की गई। घटना रविवार की है जब 20 से अधिक युवक बाइक रैली के ज़रिए सैयद सालार मसूद ग़ाज़ी की दरगाह तक पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक़, रैली के दौरान तीन युवक दरगाह के मुख्य द्वार पर चढ़ गए और भगवा झंडा लहराते हुए नारे लगाने लगे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासन हरकत में आया। डीसीपी गंगापार, कुलदीप सिंह गुनावत ने स्पष्ट किया, ÷6 अप्रैल को थाना बहरिया क्षेत्र के अंतर्गत स्थित इस दरगाह पर, जहां हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के श्रद्धालु आते हैं, कुछ युवकों ने धार्मिक झंडा लहराकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। उन्हें मौके पर मौजूद पुलिस ने तत्काल रोका और वहां से हटाया। पुलिस ने बताया है कि इस मामले में अराजक तत्वों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई की जा रही है। साथ ही, जिस स्तर पर पुलिस कर्मियों से लापरवाही हुई, वहां विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं। सैयद सालार मसूद ग़ाज़ी की दरगाह एक साझा आस्था का केंद्र मानी जाती है, जहां हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के लोग मनौती मानने आते हैं। ऐसे में यह घटना धार्मिक सौहार्द को चोट पहुँचाने वाली कही जा रही है।

सनातन धर्म को नाथ संप्रदाय ने शक्ति देने का काम किया: अमित शाह

108 कुण्डीय रुद्र महामृत्युंजय महायज्ञ में शामिल हुए केन्द्रीय मंत्री शाह

एजेंसी

कोटपूतली-बहरोड़। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि महाप्रभु आदिनाथ से लेकर उनके अनुयायियों तक, इस संप्रदाय ने सनातन धर्म को स्थायित्व और शक्ति दी है। नाथ परंपरा में धूनि को आत्मज्ञान प्राप्ति का साधन माना गया है, जो पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश जैसे पंचतत्वों को संतुलित कर आत्मा को परमात्मा से जोड़ता है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह राजस्थान के कोटपूतली में आयोजित 108 कुण्डीय रुद्र महामृत्युंजय महायज्ञ में शामिल हुए। शाह ने महायज्ञ में महापूर्णाहुति दी और एक सनातन सम्मेलन को भी संबोधित किया। इस अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि बाबा बस्तीनाथ ने समाज के सभी वर्गों को जोड़कर एक वर्ष तक यह आयोजन सतत रूप से संचालित किया, जो एक बड़ा और प्रेरणादायक कार्य है। उन्होंने बताया कि इस आयोजन की शुरुआत पिछले वर्ष रामनवमी पर हुई।

दारुल उलूम देवबंद ने महिलाओं और बच्चों के प्रवेश पर रोक लगाई

एजेंसी

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में स्थित दारुल उलूम देवबंद प्रबंधन ने एक बार फिर छात्रों के एडमिशन और परीक्षाओं को देखते हुए महिलाओं व बच्चों के दारुल उलूम में प्रवेश पर रोक लगा दी है। दारुल उलूम प्रशासन ने सभी विजिटरों से अपील की है कि वे छोटे बच्चों और महिलाओं को साथ लेकर न आएं। दारुल उलूम परिसर के बाहर इसको लेकर एक नोटिस भी चस्पा किया गया है।दारुल उलूम देवबंद में छात्रों के एडमिशन और परीक्षाओं को देखते हुए प्रबंधन ने यह फैसला लिया है। दारुल उलूम में बड़ी संख्या में छात्र प्रवेश लेने और परीक्षा देने के लिए आ रहे हैं, जिस कारण परिसर में भारी भीड़ हो रही है। भीड़ को नियंत्रित करने और छात्रों की सुविधा के लिए, दारुल उलूम ने छोटे बच्चों और महिलाओं के प्रवेश

पर रोक लगाई है। नोटिस में लिखा है, दारुल उलूम की जियारत के लिए आने वाले सभी सम्मानित मेहमानों से निवेदन है कि अपने साथ महिलाओं को दारुल उलूम न लाएं, क्योंकि इस समय पूरे देश से बड़ी संख्या में छात्र दारुल उलूम में दाखिले के लिए आए हुए हैं और प्रवेश परीक्षा की तैयारी में व्यस्त हैं।

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने 132 दिन पुराना अनशन खत्म किया

एजेंसी

चंडीगढ़। किसानों के अधिकारों के लिए सही समय पर फिर से मोर्चा खोलने के लिए संघर्ष करने का संकल्प लेते हुए, 70 वर्षीय किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने अपना 132 दिन पुराना आमरण अनशन समाप्त करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानूनी गारंटी सहित किसानों की मांगों को लेकर विरोध-प्रदर्शन का नेतृत्व करना जारी रखेंगे। डल्लेवाल ने स्पष्ट रूप से कहा कि सी2 प्लस 50 प्रतिशत के अनुसार फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य के कानूनी अधिकार को हासिल करने के लिए संघर्ष जारी रहेगा और इसके लिए ÷सभी को तैयार रहने की जरूरत है, अगर जरूरत पड़ी तो वे उचित समय पर फिर से धरना शुरू करेंगे। पिछले साल 26 नवंबर को शुरू हुए अनशन को समाप्त करने की घोषणा

पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले के सरहिंद शहर में बीकेयू (सिद्धूपुर) द्वारा आयोजित किसान महापंचायत में संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) के संयोजक द्वारा की गई, जहां संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के कार्यकर्ता चल रहे विरोध-प्रदर्शन का समर्थन करने के लिए बड़ी संख्या में एकत्र हुए।

सनातन संस्कृति, सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना का जीवंत केंद्र है चित्रकूट : मुख्यमंत्री डॉ यादव

सनातन संस्कृति, सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना का जीवंत केंद्र है चित्रकूट : मुख्यमंत्री डॉ यादव

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चित्रकूट केवल एक धार्मिक स्थल ही नहीं, हमारी सनातन संस्कृति, सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना का जीवंत केंद्र है। यह परमधाम मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की तपोस्थली है, जहां भगवान श्रीराम, माता जानकी और भैया लखन के साथ सदा सर्वदा निवास करते हैं। रामनवमी के दिन मैं तपोभूमि चित्रकूट में आकर धन्य हो गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट में मंदाकिनी के तट पर भरत घाट पर आयोजित श्रीराम प्राकट्य पर्व एवं चित्रकूट गौरव दिवस कार्यक्रम को

संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां भरत घाट पर दीपदान किया और मां मंदाकिनी की पूजा-अर्चना भी की। इस अवसर पर चित्रकूट में भरत घाट पर 11 लाख दीप जलाए गए, जिससे पूरा घाट जगमगा उठा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि आज का दिन सौभाग्यशाली है। आज पवित्र नौवीं तिथि है और कामतानाथ जी की नगरी चित्रकूट अपना गौरव दिवस मना रही है।

चित्रकूट के घाटों पर असंख्य दीपदान की अलौकिक छटा दिख रही है। भरत घाट, कामदगिरि पर्वत, कामतानाथ स्वामी मंदिर के साथ चित्रकूट के सभी मंदिरों और घर-घर एवं गली, मोहल्लों, रास्तों में दीपमालाओं की अनुपम छटा देखते ही बन रही है। उन्होंने नगर वासियों को रामनवमीं एवं चित्रकूट गौरव दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चित्रकूट में सदुरु सेवा ट्रस्ट, दीनदयाल शोध संस्थान के द्वारा पीड़ित मानवता की सेवा के लिए नाना जी के संकल्पों को पूरा किए जाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में 19 धार्मिक स्थलों में एक अप्रैल से शराबबंदी लागू कर दी गई है, जिससे हमारे देव स्थानों में विकृतियां न पनपें।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लगातार जनकल्याणकारी और विकास कार्य कर रही है सरकार : शिवराज

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने गैरतगंज में नवीन आईटीआई भवन और रमपुरा में 33/11 केवी उपकेन्द्र का किया लोकार्पण

एजेंसी

रायसेन। केन्द्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जनता की सेवा ही ईश्वर की पूजा है। यह दृढ़ संकल्प है कि जनता के जीवन में कोई तकलीफ न हो, इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार लगातार जनकल्याणकारी और विकास कार्य कर रही है। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। साल में एक लाख से अधिक लखपति दीदी बनेंगी। हर महिला को स्व-सहायता समूह से जोड़ा जाए। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान रायसेन जिले के गैरतगंज में आयोजित शासकीय आईटीआई भवन का लोकार्पण सहित विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण तथा भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कन्यापूजन और दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि गाँवों को गरीबी मुक्त बनाना है। विकसित भारत में कोई गरीब नहीं होगा। नौ गांव आदर्श ग्राम बनाए जाएंगे। गांव के लोग तय करें कि किस तरह से गरीबी दूर की जा सकती है। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना से गरीबों का पक्के मकान का सपना साकार हो रहा है। वर्षों से कच्चे

मकान और झोपड़ी में रह रहे गरीबों के सिर पर अब पक्की छत है। कोई भी पात्र परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ से छूटेगा नहीं, सर्वे करके सभी पात्र हितग्राहियों के पक्के मकान बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पिछले सात महीने में ही सांची विधानसभा क्षेत्र में 7385 हितग्राहियों के पीएम आवास स्वीकृत हुए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना के सर्वे से छूटे नहीं। जल जीवन मिशन का उल्लेख करते हुए केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक घर तक नल से शुद्ध पेयजल पहुंचे, इसके लिए जल जीवन मिशन के माध्यम से घर-घर में टोंटी से जल पहुंचाने का काम किया जा रहा है।

उन्होंने मंच से ही पीएचई तथा जल निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि नल जल योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन किया जाए जिससे कि प्रत्येक घर में नल से जल पहुंचे। कार्यक्रम में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी ने कहा कि आज केन्द्रीय कृषि मंत्री तथा क्षेत्रीय सांसद शिवराज सिंह चौहान द्वारा यहां शासकीय आईटीआई के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया गया है। इसमें नवीन व्यवसाय के लिए छह ट्रेड का मुख्य भवन, 60 सीटर बालक छात्रावास, 60 सीटर बालिका छात्रावास, एक नग एफ टाइप आवास गृह, दो नग एच टाइप और चार नग आई टाइप आवास गृहों का निर्माण किया गया है। यह जिले की सबसे बड़ी आईटीआई है। इस आईटीआई से न सिर्फ गैरतगंज बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को भी लाभ मिलेगा।

उज्जैन के पास बीकानेर-बिलासपुर एक्सप्रेस के जनरेटर कोच में लगी आग, बड़ा हादसा टला

लोको पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए पावर कार को ट्रेन से अलग कर तराना पहुंचाया।

एजेंसी

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में तराना के पास को बीकानेर-बिलासपुर एक्सप्रेस के पावर कार कोच (जनरेटर कोच) में भीषण आग लग गई। धुआं उठने से यात्रियों में दहशत फैल गई। लोको पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए पावर कार को ट्रेन से अलग कर तराना पहुंचाया। सूचना मिलते ही रेलवे का तकनीकी अमला भी मौके पर पहुंच गया और ग्रामीणों के साथ मिलकर आग पर काबू पा लिया। उसके बाद उसी इंजन को फिर से घटनास्थल पर भेजकर ट्रेन को गंतव्य की ओर रवाना किया गया। इस घटना में किसी भी यात्री को कोई नुकसान नहीं

पहुंचा है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार, बीकानेर से बिलासपुर जा रही ट्रेन संख्या 20846 बीकानेर-बिलासपुर एक्सप्रेस शाम करीब चार बजकर 35 मिनट पर उज्जैन से रवाना हुई थी। शाम करीब साढ़े पांच बजे ट्रेन ताजपुर के आगे शिवपुरा फ्लैग स्टेशन से निकली थी, तभी इंजन के पीछे लगे पावर कार कोच में आग लग गई। इससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। ट्रेन को लोको पायलट ने जंगल में ही पावर कोच से अलग कर दिया। जलते पावर कार को लेकर इंजन तराना स्टेशन पहुंचा। यहां पहले से ही रेलवे कर्मचारियों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दे दी थी। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया। जलते पावर कार को तराना स्टेशन पर खड़ा करके इंजन लेकर पायलट दोबारा शिवपुरा फ्लैग स्टेशन के जंगल में पहुंचा और ट्रेन को लेकर करीब डेढ़ घंटे की देरी से रवाना हो गया।

राष्ट्रपति के आदेश के बावजूद तुगलक रोड थाने में हाईकोर्ट जज के घर जले नोटों की रिपोर्ट दर्ज नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के आवास पर 14 मार्च, 2025 को आग लगने की घटना के बाद भी तुगलक रोड थाना पुलिस द्वारा जले हुए नोटों की रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है। जबकि इस मामले में राष्ट्रपति सचिवालय से भी कार्रवाई के निर्देश जारी हो चुके हैं। घटना के बाद, दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने प्रारंभिक जांच कर 22 मार्च, 2025 को भारत के मुख्य न्यायाधीश को सूचित किया था कि जज वर्मा के घर में नोट रखे हुए थे जो आग में जल गए। पुलिस कमिश्नर द्वारा उन्हें इस संबंध में वीडियो भी भेजा गया था। हालांकि, जज वर्मा ने स्पष्ट रूप से इन नोटों को अपना या अपने परिवार के किसी सदस्य का होने से इनकार किया था और इसे उनकी प्रतिष्ठा धूमिल करने की साजिश बताया था। 25 मार्च तक कोई रिपोर्ट दर्ज न होने पर, राजस्थान हाईकोर्ट, जयपुर के अधिवक्ता पूनम चंद भंडारी ने तुगलक रोड थाने में एक रिपोर्ट भेजी। उन्होंने तर्क दिया कि जब जज वर्मा ने जले हुए नोटों को अपना नहीं बताया है, तो ऐसी स्थिति में प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की जानी चाहिए थी। भंडारी ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी प्रेस नोट और संबंधित दस्तावेजों के आधार पर रिपोर्ट लिखकर अनुरोध किया।

पति से झगड़े के बाद महिला ने की खुदकुशी

एजेंसी

नई दिल्ली। कल्याणपुरी इलाके में एक महिला ने पति से झगड़े के बाद फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतका की पहचान 35 वर्षीय अनुराधा के रूप में हुई है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के शवगृह में भेज दिया है। पुलिस को फिलहाल मृतका के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस मृतका के परिजनों से पूछताछ कर आत्महत्या के सही कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। पुलिस के मुताबिक अनुराधा परिवार के साथ ईस्ट विनोद नगर इलाके में रहती थी। परिवार में पति गौरव के अलावा अन्य सदस्य हैं। बताया जा रहा है कि शनिवार को अनुराधा और गौरव के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। झगड़े के बाद शाम के वक्त अनुराधा ने कमरे में पंखे के सहरे चुन्नी से फांसी लगाकर जान दे दी। घटना का पता चलते ही परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। चुन्नी काटकर शव नीचे उतारा गया। क्राइम टीम को घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र करने के लिए बुलाया गया। अभी तक की जांच में पता चला है कि महिला ने पति से झगड़े के बाद यह कदम उठाया। फिलहाल पुलिस मृतक के परिजनों से भी पूछताछ कर रही है।

चोरी के मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के कपासहेड़ा थाना पुलिस ने चोरी के मामले में जांच के बाद तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान प्रमोद कुमार, गौरव और करण रावल के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चोरी के तीन मोबाइल बरामद किए हैं। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि सात मार्च को कृपाल शर्मा ने आई फोन सहित कुल 93 मोबाइल की चोरी की शिकायत दी। इंस्पेक्टर विक्रम दहिया ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने चोरी किए गए मोबाइल के दस्तावेज बरामद किए और चोरी हुए मोबाइल फोन के सभी आईएमईआई नंबरों को आगे ट्रैकिंग के लिए निगरानी में रखा गया। 93 मोबाइल फोन में से तीन मोबाइल फोन फरीदाबाद में चालू पाए गए। जिसके बाद पुलिस ने प्रमोद कुमार, गौरव और करण को दबोचा।

रुपयों के विवाद में सब्जी वाले की पीट पीटकर हत्या

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले के कालिंदी कुंज इलाके में रुपयों के विवाद में एक शख्स ने सब्जी वाले को पीट पीटकर अधमरा कर दिया। घायल को परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने घटनास्थल पर मौजूद लोगों से पूछताछ व सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद गैर इरादतन हत्याका मामला दर्ज किया। फिलहाल पुलिस आरोपित की तलाश कर रही है। दक्षिण पूर्वी जिले के डीसीपी रवि कुमार ने बताया मृतक की पहचान मुन्ना महतो के रूप में हुई है। वह परिवार के साथ मकान नंबर ए2/1133, जलेबी चौक, जेजे कॉलोनी रहता था। मुन्ना घर के पास ही सब्जी की दुकान लगाता था। डीसीपी ने बताया कि शनिवार की सुबह करीब 9.13 बजे दुकान पर एक शख्स सब्जी खरीदने के लिए आया था। सब्जी खरीदने के दौरान उसका पैसों को लेकर मुन्ना से झगड़ा हो गया। झगड़े के दौरान आरोपित ने मुन्ना की पिटाई कर दी। जिससे वह बेहोश हो गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस आरोपित की तलाश कर रही है।

पुलिस माल खाने में लगी आग, 345 गाड़ियां जली

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ती गर्मी के बीच आग लगने का सिलसिला लगातार जारी है। रविवार तड़के वजीराबाद के पास दिल्ली पुलिस के पिट (माल खाना) में आग लग गई। घटना में काफी संख्या में गाड़ियां जलकर खाक हो गई। दमकल विभाग को 4:30 बजे के आसपास आग लगने की सूचना मिली थी। मौके पर अलग-अलग फायर स्टेशन से आग बुझाने वाली आठ गाड़ियां पहुंची और डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि आग बुझाने के दमकलकर्मियों की टीम ने लगातार कूलिंग का काम किया। जिससे कि दोबारा आग ना भड़क सके। स्टेशन ऑफीसर मनोज त्यागी की टीम ने आग को सुबह साढ़े छह बजे के आसपास बुझाया। पूरी तरह कूलिंग करने के बाद दमकल की गाड़ियां मौके से लौटी। वहीं इस आग की चपेट में आकर 345 गाड़ियां जल गई। जिनमें से 260 स्कूटी और बाइक बाकी 85 कार शामिल है। राहत की बात यह रही कि इसमें कोई हताहत या घायल नहीं हुआ। पुलिस सूत्रों के अनुसार यह माल खाना दक्षिण जिला पुलिस का है।

अब नमो भारत ऐप के जर्नी प्लानर फीचर से एंड टू एंड ट्रिप प्लानिंग, सिंगल विंडो पेमेंट की सुविधा

जर्नी प्लानर फीचर एकीकृत एवं सुविधाजनक यात्रा की ओर एक सशक्त कदम

एजेंसी

गाजियाबाद। नमो भारत यात्रियों की यात्रा को और सुविधाजनक बनाने के लिए एनसीआरटीसी ने नमो भारत ऐप में एक आकर्षक फीचर, जर्नी प्लानर की शुरुआत की है। इस फीचर के साथ यात्री एक ही डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करके नमो भारत और मेट्रो नेटवर्क में अपनी पूरी यात्रा की योजना बना सकते हैं, सबसे आसान एवं सुविधाजनक यात्रा मार्ग के विकल्प चुन सकते हैं और एक ही जगह सहज भुगतान के साथ बुकिंग पूरी कर सकते हैं। यह यात्रियों के लिए एकीकृत एवं सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने की ओर बढ़ाया गया एक सशक्त कदम है। एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि इस फ़ीचर के साथ, यात्री नमो भारत एप पर ही अपनी एंड टू एंड यात्रा की योजना बना सकते हैं। यह फीचर एक स्टेशन से दूसरे के बीच के यात्रा के लिए स्मार्ट रूट का सुझाव देता है। यात्री इससे सबसे तेज़ और सबसे कुशल रूट की जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ अनुमानित यात्रा समय और सुझाए गए इंटरचेंज भी देख सकते हैं। इसमें नमो भारत, मेट्रो एवं फ़र्स्ट एंड लास्ट माइल की यात्राएँ शामिल हैं। एक और चीज़ जो इस फ़ीचर को ख़ास बनाती है, वो है एक ही प्लेटफॉर्म पर नमो भारत और मेट्रो माध्यमों के लिए अलग-अलग टिकट बुक करने की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। वे नमो भारत एप पर ही पूरी यात्रा का अनुमानित किराया देखकर, यूपीआई, डेबिट/क्रेडिट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग द्वारा एकल और सुरक्षित भुगतान कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इसका प्रयोग करने के लिए यात्रियों को नमो भारत एप के जर्नी प्लानर सेक्शन में दोनों के टिकट एक साथ बुक करने की सुविधा। इससे यात्रियों को दो अलग- अलग एप पर जाकर दोनों जाना है और अपने आरंभ स्टेशन और गंतव्य स्टेशन का चुनाव करना है। ऐसा करते ही एप नमो भारत और मेट्रो कनेक्शन के साथ एकीकृत मार्ग दिखाने लगेगा, जिसे और अधिक स्पष्ट रूप से समझने के लिए यात्री इंटरैक्टिव मैप भी देख सकते हैं। इसके बाद, यात्री दिखाए गए विकल्पों में से अपनी सुविधा और पसंद का मार्ग चुनकर अपनी यात्रा की पुष्टि कर सकते हैं। इसके बाद ये आपको भुगतान की विंडो पर ले जाएगा, जहाँ भुगतान करते ही यह क्यूआर-आधारित ई-टिकट जनरेट कर देगा। उदाहरण के लिए, अगर आपको गाज़ियाबाद से नोएडा सेक्टर 16 की यात्रा करनी है, तो आरंभ स्टेशन में गाज़ियाबाद लिखें और गंतव्य में नोएडा सेक्टर 16। इसके साथ ही एप में गाज़ियाबाद से न्यू अशोक नगर तक नमो भारत और वहाँ से इंटरचेंज कर मेट्रो ब्लू लाइन द्वारा नोएडा सेक्टर 16 तक की यात्रा का रूट मैप प्रदर्शित हो जाएगा। इस रूट का चुनाव करते ही यह पेमेंट विंडो पर ले जाएगा।

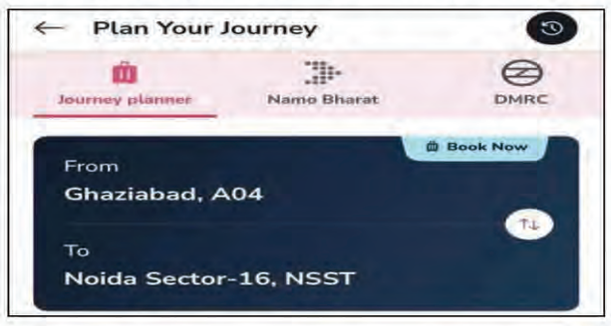

महावीर जयंती पर दिल्ली विधानसभा में आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली विधान सभा में भगवान महावीर स्वामी के 2624वें जन्म कल्याणक एवं 2550वें निर्वाण महोत्सव के उपलक्ष्य पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'भगवान महावीर गाथा' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट उपस्थित रहे। वहीं इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि भगवान महावीर का जीवन और उनकी शिक्षाएं सम्पूर्ण मानवता के लिए प्रकाशपुंज हैं। कार्यक्रम में राष्ट्रसंत परमाचार्य श्री 108 प्रज्ञा सागर मुनिराज ने कहा कि भगवान महावीर का संदेश आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक है। जब समाज को शांति, सहिष्णुता और करुणा की अत्यधिक आवश्यकता है। इसी क्रम में विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि 'महावीर गाथा' जैसे आयोजनों से हमारी सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम मिलता है। उन्होंने कहा, 'महावीर स्वामी का संदेश केवल धार्मिक नहीं बल्कि मानवीय और सामाजिक विकास का आधार है। हमें उनके सिद्धांतों को जीवन में अपनाकर एक शांतिपूर्ण और समरस समाज की ओर बढ़ना चाहिए।

आर्य समाज के 150 साल पूरे : विजेंद्र गुप्ता और प्रवेश वर्मा ने बताया मानवता की सेवा का बेहतरीन उदाहरण

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्य समाज के मानव सेवा के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा शामिल हुए।इस सम्मेलन को संबोधित करते हुए दोनों नेताओं ने आर्य समाज की समाज सुधार और राष्ट्र निर्माण में भूमिका की सराहना की। कार्यक्रम में आर्य समाज के योगदान को याद किया गया और इसके मूल्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा, ÷आर्य समाज ने हमेशा पाखंड और आडंबरों का विरोध किया है। इसने समाज को नई दिशा दी और राष्ट्र के निर्माण में अहम भूमिका निभाई। आर्य समाज के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और हमें इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।' उन्होंने आर्य समाज के कार्यों को मानवता की सेवा का बेहतरीन उदाहरण बताया। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने अपने संबोधन में कहा, मेरा परिवार शुरू से ही आर्य समाज से जुड़ा रहा है। मेरे पिता हर हवन करते थे। मुझे अपने पिता से ही आर्य समाज के संस्कार मिले हैं।÷ उन्होंने दिल्ली सरकार की ओर से समर्थन का वादा करते हुए कहा, 'अक्टूबर में होने वाले आर्य समाज सम्मेलन को सफल बनाने के लिए हम हर संभव मदद करेंगे। दिल्ली सरकार इस आयोजन के साथ पूरी तरह खड़ी है। प्रवेश वर्मा ने पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ÷पहले की सरकारों ने ऐसे आयोजनों के लिए कोई सहायता नहीं दी। वे सिर्फ मस्जिदों के मौलवियों को वेतन देने में लगी रहती थी। हमारी सरकार ने इस प्रथा को बंद कर दिया है। अब हम समाज के हर वर्ग के लिए काम कर रहे हैं। यह आयोजन आर्य समाज के 150 साल के सफर को सेलिब्रेट करने के लिए था, जिसमें संगठन के सामाजिक सुधार, शिक्षा और मानव सेवा के कार्यों को याद किया गया। दिल्ली में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

भारतीय ज्ञान, संस्कार एवं समृद्धि की संवाहक है संस्कृत : डॉ चांद किरण सलूजा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय शिक्षण मंडल का 56वां स्थापना दिवस दिल्ली प्रान्त द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय के सत्यवती महाविद्यालय में मनाया गया ढ्ढ इस अवसर पर अखिल भारतीय संगठन मंत्री बी. आर. शंकरानन्द, इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो महेश वर्मा, प्रो धनंजय जोशी, प्रो रवि प्रकाश टेकचंदानी, गणपति तेती, ऋषि मोहन भटनागर, सचिन मारण, राजन चोपड़ा, प्रो दर्शन पांडेय सहित सैकड़ों गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।कार्यक्रम में 'शिक्षा में संस्कृत, संस्कृत से संस्कार, संस्कार से समृद्धि' विषयक कार्यक्रम में राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुरली मनोहर पाठक ने संस्कृत को तीन दृष्टि में समझाते हुए कहा कि सृष्टि के साथ ही संस्कृत की उत्पत्ति हुई है 7 उन्होंने अनुशासन एवं समर्पण को शिक्षा के लिए प्रमुख बताया और संस्कृत एवं संस्कार को एक दूसरे का पर्याय मानते हुए कहा कि संस्कृत ही हमें विद्या का संस्कार देती है। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक डॉ चांद किरण सलूजा ने कहा कि प्राचीन भारत में शिक्षा का अर्थ मुख्य रूप से भाषा के अर्थ में लिया गया था, जिसका उद्देश्य शिक्षा प्राप्त करके बेहतर मानव बनना है ढ्ढ उन्होंने शिक्षा नीति पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा का मुख्य लक्ष्य है मानवता का निर्माण करनाढ्ढ उन्होंने मनुष्य के सम्पूर्ण विकास की दिशाओं का वर्णन भी किया।आगे उन्होंने कहा कि हमारा सम्पूर्ण व्यक्तित्व मन से जुड़ा है, साथ ही उन्होंने पंच कोष के माध्यम से संस्कारित जीवन की बात करते हुए वैयक्तितता से सामाजिकता की ओर जाना ही संस्कार बताया।

जमीअत उलमा-ए-हिंद ने वक्फ संशोधन कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों से पारित वक्फ संशोधन कानून को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद जमीअत उलमा-ए-हिंद ने इस कानून की संवैधानिक वैधता को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी का कहना है कि यह कानून भारतीय संविधान पर सीधा हमला है। भारत का संविधान न सिर्फ सभी नागरिकों को समान अधिकार देता है, बल्कि पूर्ण धार्मिक स्वतंत्रता भी प्रदान करता है। यह कानून मुसलमानों की धार्मिक स्वतंत्रता छीनने की साजिश है, जो पूरी तरह संविधान के खिलाफ है। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि हमने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि अगर यह बिल कानून बन गया तो हम इसे देश की सर्वोच्च अदालत में चुनौती देंगे। इसलिए राष्ट्रपति की मुहर लगते ही जमीअत ने आज इस कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दाखिल कर दी है। उन्होंने कहा कि जमीअत की राज्य इकाइयां भी इस कानून के खिलाफ संबंधित राज्यों के हाई कोर्ट में याचिकाएं दाखिल करेंगी। उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है कि इस असंवैधानिक कानून पर भी हमें न्याय मिलेगा। तथाकथित सेक्युलर दलों की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि हमने इस कानून को रोकने के लिए हरसंभव प्रयास किए, लेकिन खुद को सेक्युलर कहने वाली पार्टियों ने न सिर्फ मुसलमानों के हितों का सौदा किया, बल्कि संविधान को भी अपने पैरों तले कुचल डाला और अपने असली चेहरे को पूरे देश के सामने उजागर कर दिया। मौलाना ने उन सभी सेक्युलर सांसदों का शुक्रिया अदा किया, जो देर रात तक संसद में डटे रहे और इस कानून के संभावित दुष्परिणामों को अपने भाषणों के जरिए उजागर किया। साथ ही उन्होंने उन न्यायप्रिय नागरिकों का भी आभार प्रकट किया, जो संसद के बाहर इस कानून के खिलाफ आवाज़ बुलंद करते रहे। उन्होंने कहा कि इससे साबित होता है कि आज भी देश में ऐसे लोग मौजूद हैं जिनमें अन्याय के खिलाफ बोलने का साहस और जज्बा है। यह कानून केवल धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं है, बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता और उसके मार्गदर्शक सिद्धांतों के विरुद्ध है।

एनडीएमसी के शिविर में मिलीं 65 जन शिकायतें

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने क्षेत्रीय लोगों और सेवाओं के उपयोगकर्ताओं के लिए एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में शिकायत निवारण सुविधा शिविर का आयोजन किया। इसमें लोगों से जुड़ी जानकारियां, सुविधा, सूचना और शिकायतों का समाधान एक ही जगह पर उपलब्ध किया गया। एनडीएमसी के अधिकारियों को शिविर में जनता से 65 शिकायतें प्राप्त हुईं। नई दिल्ली क्षेत्र के निवासियों की अधिकांश शिकायतें कार्मिक, सिविल इंजीनियरिंग, बागवानी, सार्वजनिक स्वास्थ्य, प्रवर्तन, वाणिज्यिक, कर और संपदा विभागों से संबंधित थीं। एनडीएमसी नागरिक सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए सैकड़ो स्थानीय निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं ने सुविधा शिविर का दौरा किया। सभी सार्वजनिक शिकायतों पर जनता द्वारा एनडीएमसी के विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारियों के साथ शीघ्र समाधान के लिए चर्चा की गई। शिकायतों के निवारण के लिए एनडीएमसी के 30 विभागों के सौ से अधिक अधिकारी एवं कर्मचारी शिविर में मौजूद थे। विभिन्न विभागों के हेल्प डेस्क की देखरेख विभागाध्यक्षों द्वारा की गई। इन सुविधा शिविरों के आयोजन के अलावा पालिका परिषद ने एनडीएमसी क्षेत्र के निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं के लिए संपर्क रहित शिकायत निवारण तंत्र के रूप में एक जन सुविधा पोर्टल भी लॉन्च किया है।

वक्फ संशोधन विधेयक को मिली राष्ट्रपति की मंजूरी, कानून का नाम भी बदला

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों से बजट सत्र में पारित वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई। इस संबंध में गजट अधिसूचना जारी होने के साथ ही वक्फ अधिनियम, 1995 का नाम भी बदलकर यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, इम्पावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट (उम्मीद) अधिनियम, 1995 हो गया है। विपक्षी दलों और कई मुस्लिम संगठनों के विरोध के बावजूद लोकसभा ने 3 अप्रैल को तड़के और राज्यसभा ने 4 अप्रैल को तड़के इसे मंजूरी प्रदान की। लोकसभा में इसके समर्थन में 288 और विरोध में 232 वोट पड़े थे जबकि ऊपरी सदन में इसके पक्ष में 128 और विरोध में 95 वोट पड़े। नए वक्फ कानून का मुख्य उद्देश्य वक्फ संपत्तियों का दुरुपयोग, पक्षपात और अतिक्रमण को रोकना है। सरकार का कहना है कि यह कानून मुस्लिम विरोधी नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के सही प्रबंधन और संरक्षण को सुनिश्चित करना है। राष्ट्रपति मुर्मु के हस्ताक्षर के बाद अब यह कानून पूरे देश में लागू हो गया है, जिससे वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा और उचित उपयोग को लेकर नई दिशा मिलेगी।

इस कानून के लागू होने से वक्फ संपत्तियों के प्रशासन में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।बता दें कि इस बिल में वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों और महिलाओं को शामिल करना, वक्फ संपत्तियों का डिजिटलीकरण, कलेक्टर को सर्वेक्षण का अधिकार, और ट्रिब्यूनल के फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील की अनुमति दी गई है। इसका उद्देश्य पारदर्शिता और कुशल प्रबंधन बताया गया है। विरोध के कारणों में मुस्लिम समुदाय और विपक्ष का मानना है कि यह धार्मिक स्वायत्तता पर हमला है। गैर-मुस्लिमों की नियुक्ति को हस्तक्षेप माना जा रहा है। केंद्र सरकार में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दोनों सदनों में कहा कि इस विधेयक से मुस्लिम समुदाय को कोई नुकसान नहीं होगा, बल्कि करोड़ों गरीब मुस्लिम महिलाओं और बच्चों को लाभ मिलेगा। राज्य वक्फ बोर्डों में कम से कम दो गैर-मुस्लिम सदस्यों के प्रावधान पर विरोधों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि 11 सदस्यीय बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों की संख्या तीन से अधिक नहीं होगी। इस प्रकार, बहुमत मुसलमानों का ही होगा। पहले वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को लोकसभा में पेश करने के बाद विपक्ष की आपत्ति के कारण उसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया था।

महिला से जबरन कराई जा रही थी वेश्यावृत्ति, पुलिस ने कोठे के मैनेजर को किया गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली । वेस्ट बंगाल की रहने वाली एक महिला को नौकरी के बहाने दिल्ली लाया गया। जिसके बाद उसे जीबी रोड के एक कोठे पर बेच दिया गया। करीब तीन महीने से यहां महिला से जबरन जिस्मफरोशी कराई जा रही थी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम को जब इसकी सूचना मिली तो तुरंत रेड लाइट एरिया के कोठे पर छापेमारी कर महिला को मुक्त कराया गया।

पुलिस ने कोठे के मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस 35 वर्षीय पीड़िता महिला से पूछताछ कर आगे की जांच कर रही है।क्राइम ब्रांच के डीसीपी विक्रम सिंह ने बताया कि पीड़ित महिला वेस्ट बंगाल के जिला 24 परगना की रहने वाली है। करीब तीन महीने पहले एक महिला उसे नौकरी के बहाने दिल्ली ले आई। यहां उसे जीबी रोड रेड लाइट एरिया में एक कोठे पर दलाल को बेच दिया गया। उसका फोन छीन लिया गया। जिसकी वजह से वह अपने परिवार के सदस्यों से भी संपर्क नहीं कर पा रही थी। करीब 10 दिन पहले पीड़िता ने किसी तरह अपने भाई को फोन किया और आप बीती बताई। पीड़िता के भाई ने मिशन मुक्ति फाउंडेशन, नई दिल्ली के माध्यम से एनएचआरसी को सूचना दी। जिसके बाद क्राइम ब्रांच की मदद ली गई। क्राइम ब्रांच की टीम ने टेक्निकल और मैनुअल सर्विलांस की मदद से पीड़ित महिला को जीरो एक कोठे पर छापेमारी कर रेस्क्यू करा लिया गया। पुलिस के मुताबिक पीड़िता 5वीं कक्षा तक पढ़ी है। वह अपने छह भाई-बहन में सबसे छोटी है। करीब पांच साल पहले उसकी शादी हुई थी, हालांकि एक साल पहले उसके पति ने तलाक दे दिया। इसके बाद वह पश्चिम बंगाल में नौकरानी के रूप में काम करने लगी। जनवरी 2025 में एक महिला उसे काम दिलाने के नाम पर दिल्ली ले आई। जिसके बाद उसे कोठे पर बेच दिया गया।

अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ की देशव्यापी संघर्ष की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने शिक्षकों की समस्याओं के लिए देशव्यापी संघर्ष की घोषणा की है। यह आंदोलन सालभर चलेगा। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पाण्डेय ने यह जानकारी पत्रकारों की। उन्होंने कहा कि साल के आखिर में नई दिल्ली में संघ का राष्ट्रीय अधिवेशन होगा। संवाददाता सम्मेलन में प्रमुख रूप से उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, तेलंगाना, तमिलनाडु, केरल सहित अन्य 14 राज्यों के पदाधिकारी मौजूद रहे। शिक्षक नेता पाण्डेय ने प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में संवाददाता सम्मेलन पूरी कार्ययोजना का विवरण साझा किया। उन्होंने कहा कि अगर केंद्र और राज्य सरकारों ने समस्याओं का समाधान नहीं किया कि अगले साल शिक्षक कर्मचारी एकजुट होकर बड़ा आंदोलन करेंगे। पाण्डेय ने कहा कि इस साल देश के सभी राज्यों और जनपद मुख्यालयों में धरना दिया जाएगा। इस दौरान प्रशासन के माध्यम से शिक्षकों की समस्याओं पर केंद्रित ज्ञापन केंद्र और राज्य सरकारों को भेजे जाएंगे। कुछ समय से संगठन के पदाधिकारियों के विवाद पर सवाल पूछे जाने पर संघ के उपाध्यक्ष रामअवतार पाण्डेय ने बताया कि कतिपय लोग यह भ्रम फैला रहे हैं कि वह लोग ही असल पदाधिकारी हैं। ऐसा करने वालों में पूर्व महासचिव कमलाकान्त त्रिपाठी और वासूराज गुरीकर प्रमुख हैं। ओडिशा निवासी त्रिपाठी सेवानिवृत्त हैं। वह बीजू जनता दल के सक्रिय सदस्य हैं। साथ ही बीजद के कार्यक्रमों में शामिल होते हैं। ऐसा करना संघ का नियमावली का उल्लंघन है। संघ के दूसरे नेता घनश्याम प्रसाद यादव ने आरोप लगाया कि त्रिपाठी लगातार संगठन को कमजोर करने की साजिश कर रहें है। उनके बहकावे में आकर सेवानिवृत्त वासूराज गुरीकर उनका साथ दे रहे हैं। गुरीकर तो एक राजनीतिक पार्टी से चुनाव भी लड़ चुके हैं। उनका साथ पूर्व पदाधिकारी रंगराजन भी दे रहे हैं। रंगराजन और समानांतर खड़ी गई उनकी कार्यकारिणी के खिलाफ मद्रास हाई कोर्ट में गुहार लगाई गई है। हाई कोर्ट ने सत्यापन के लिए तीन सदस्यीय पूर्व न्यायाधीशों की कमेटी गठित की। कमेटी की आख्या पर हाई कोर्ट ने कार्यकारिणी को अवैध घोषित कर दिया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील पाण्डेय ने साफ किया कि पंजीकृत नियमावली के अनुसार रामपाल सिंह अध्यक्ष थे। 22 सितम्बर, 2023 को उनका देहांत हो गया। उनके कार्यकाल में मैं (सुशील कुमार पाण्डेय) उपाध्यक्ष (प्रथम) था। नियमावली के अनुसार अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष (प्रथम) को समस्त कार्य एवं संघ की कार्यवाही संचालित करने का संवैधानिक अधिकार है। इसलिए यह दायित्व स्वतः मुझे मिल गया। इस दौरान पूर्व महासचिव कमलाकान्त त्रिपाठी ने नियमावली की अवहेलना करते हुए उनके खिलाफ साजिश रचनी शुरू कर दी। राज्य इकाइयों को प्रलोभन देकर बरगलाया गया। इससे चिंतित संघ महासभा ने अक्टूबर में बैठक बुलाकर अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराने का प्रस्ताव पारित किया। इसके बाद अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक में महासभा के निर्वाचन कराए जाने के प्रस्ताव को स्वीकार कर पर्यवेक्षक और निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किए गए।

दिल्ली मेट्रो का लाजपत नगर-साकेत जी ब्लॉक कॉरिडोर भारत की पहली 3 कोच वाली मेट्रो लाइन होगी : डीएमआरसी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो भारत का पहला ऐसा मेट्रो कॉरिडोर शुरू करने जा रही है। जिसे 3 कोच वाली ट्रेनों के साथ संचालित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह देश के शहरी परिवहन नेटवर्क में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के प्रवक्ता अनुज दयाल ने बताया कि फेज़-चौथा का लाजपत नगर - साकेत जी ब्लॉक मेट्रो कॉरिडोर दिल्ली मेट्रो नेटवर्क में दूसरी सबसे छोटी मेट्रो लाइन (8 किलोमीटर) होगी, जो मौजूदा मेट्रो कॉरिडोर के साथ निर्बाध इंटरचेंज सुनिश्चित करते हुए लास्ट माइल कनेक्टिविटी का विस्तार करेगी। अनुज दयाल ने बताया कि अधिकांश 4, 6 या 8 कोच वाली ट्रेनों का उपयोग करने वाली मेट्रो लाइनों के विपरीत, इस अभिनव 3 कोच प्रणाली को विशेष रूप से कम दूरी की यात्रा के लिए विकसित किया गया है। छोटी ट्रेन संरचना एक सस्ता और दुरुस्त समाधान प्रदान करेगी। जिससे दैनिक यात्रियों की पर्याप्त संख्या को समायोजित करते हुए बेहतर फ्रीक्वेंसी और परिचालन दक्षता सुनिश्चित होगी।उन्होंने बताया कि यह कॉरिडोर केवल ट्रेन की लंबाई को कम करने के बारे में नहीं बल्कि भविष्य के लिए तैयार, कुशल और लागत-सचेत मेट्रो प्रणाली के साथ शहरी गतिशीलता के इष्टतम उपयोग करने के बारे में है। लाजपत नगर-साकेत जी ब्लॉक कॉरिडोर को यात्रियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जा रहा है। जबकि उच्च घनत्व वाले गलियारों में भारी भीड़ को संभालने के लिए लंबी रेक की आवश्यकता होती है। यह सेक्शन, यात्रियों की एक अलग श्रेणी जिसमें कम दूरी के यात्रियों को लगातार और कुशल मेट्रो सेवाओं की आवश्यकता होती है। दयाल ने आगे बताया कि कॉरिडोर के पीक ऑवर पीक डायरेक्शन ट्रैफ़िक अनुमान मेनेजेबल लोड का संकेत देते हैं।

संपादक की कलम से

भ्रष्टाचार रोकेगी न्यायधीशो की सहमति

भारत में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी कोई ताकत नही है। जब सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीशों ने अपनी सम्पत्ति का ब्यौरा देना तय कर लिया है तो निश्चित तौर पर यह कहा जाए कि अब केन्द्र एवं राज्य सरकार के अफसरानों से लेकर मुलाजिमों तक को अपनी सम्पत्ति का ब्यौरा देना ही पड़ेगा। हालांकि अभी सम्पत्ति का ब्यौरा अफसर और मुलाजिम अपनी जानकारी के अनुसार दे रहे है लेकिन देर सबेर उस ब्यौरे की क्रास चेकिंग या जॉच का निर्णय भी सरकार द्वारा लिया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने पर जो सहमति जताई है, उसके पीछे कारण चाहे जो भी हो, वह सही दिशा में उठाया गया वाजिब कदम है। इससे न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिलेगी और आम लोगों का उस पर भरोसा मजबूत होगा।निश्चित तौर पर सुप्रीम कोर्ट को ऐसी संस्था के रूप में देखा जाता है, जो आम लोगों के लिए न्याय की आखिरी उम्मीद है। फिर भी जस्टिस यशवंत वर्मा के घर कथित तौर पर जली हुई नोटों की गड्डी मिलने जैसी घटनाओं और उनसे उपजे विवादों से कहीं न कहीं कुछ संदेह भी बनता है। जस्टिस वर्मा के मामले में आंतरिक समिति बनाई गई है। जांच से सारी बातें साफ हो जाएंगी, लेकिन यह भी जरूरी था कि इस घटना के चलते जो संदेह पैदा हुआ, उसे दूर किया जाए। यह विषय बहुत पुराना है कि न्यायधीशों को भी अपनी संपत्ति की सार्वजनिक घोषणा करनी चाहिए। 1997 में सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुसार हर न्यायाधीश को अपनी प्रॉपर्टी और देनदारियों के बारे में चीफ जस्टिस को बताना होता है। बाद में, एक और प्रस्ताव आया कि न्यायाधीश चाहें तो अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक कर सकते हैं। लेकिन अब मामला बिलकुल साफ है। ऐसे में नौकरशाहो, कतिपय न्यायधीशो, नेताओ, जनप्रतिनिधियो के साथ इंजीनियर, मीडिया आदि से जुड़े ऐसे व्यक्ति विशेष जिन्होंने आकूत सम्पत्ति विभिन्न गैरवाजिब तरीके से जुटा रखी है उन पर शिकंजा कसना तय है। यह बात अलग है कि इसके परिणाम कुछ देर से आएगें क्योकि भ्रष्टाचार अभी भी चरम पर है। सभी जानते है कि पिछले लगभग तीन दशक में, यह मामला कई बार उठा है। सूचना का अधिकार लागू होने के बाद यह बहस भी हुई कि न्यायपालिका इसके दायरे में क्यों नहीं। इसके पीछे यही तर्क रहा कि किसी निजी जानकारी को तब तक साझा करने की जरूरत नहीं, जब तक उससे सार्वजनिक हित न जुड़े हों। 2010 और 2019 में जब सुप्रीम कोर्ट में यह केस आया था, तब इसी नुक्ते को आधार बनाकर कहा गया कि जानकारी सार्वजनिक करना न्यायाधीशों की इच्छा पर है।सरकार की एक संसदीय समिति ने 2023 में सिफारिश की थी कि न्यायाधीशों के लिए संपत्ति की घोषणा अनिवार्य की जाए। हालांकि सरकार इस मामले में आगे नहीं बढ़ी और बाद में कहा कि उसका ऐसा कोई इरादा भी नहीं है। यह रुख गलत नहीं कहा जा सकता। सरकार की तरफ से किया गया कोई भी प्रयास यह संदेश देता कि न्यायपालिका में अनावश्यक राजनीतिक दखल हो रहा है। न्यायपालिका की साख के लिए उसका स्वतंत्र होना और दिखना भी उतना ही जरूरी है। हालांकि यह कदम काफी नहीं है। न्यायपालिका के कामकाज में कई तरह की गड़बड़ियां हैं। कई स्तरों पर न्यायिक सुधार के प्रयास आगे बढ़ाने की जरूरत है। लेकिन इस कदम से एक पॉजिटिव संदेश जरूर गया है कि सर्वोच्च अदालत के जज खुद को भी उन कसौटियों पर कसने में नहीं हिचकते जिन्हें वे दूसरों के लिए जरूरी मानते हैं। ज्ञात हो कि 15 फरवरी 2018 को चुनाव सुधार को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक बडा फैसला सुनाया था. सुप्रीम कोर्ट ने कानून मंत्रालय से इस बात के लिए नाराजगी जताई है कि उसने आदेश के बावजूद पिछले कुछ वर्षों में उम्मीदवारों की संपत्ति में आय से अधिक वृद्धि को ट्रैक करने के लिए एक स्थायी तंत्र क्यों नहीं बनाया सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी जारी कर दो हफ्ते में विधायी विभाग के सचिव से जवाब देने के लिए कहा था।

सुप्रीम कोर्ट ने ये भी पूछा था कि फार्म 26 में वो घोषणा शामिल क्यों नहीं की गई है जिसके तहत उम्मीदवार को बताना होता है कि वह जनप्रतिनिधित्व कानून के किसी प्रावधान के तहत अयोग्य नहीं है।सुप्रीम कोर्ट ने ये बातें लोकप्रहरी संस्था द्वारा दाखिल अवमानना याचिका पर सुनवाई के दौरान कहीं थी। यानि कि एक लम्बे अरसे से विभिन्न संवर्ग के मामले में आय से अधिक सम्पत्ति के मामले सामने आने तथा इनका सीधा सरोकार भ्रष्टाचार से होने के कारण यह मामला सीधे लोकतंत्र की सुचिता से जुड़ा हुआ है। चंद दिनों पूर्व जज श्री वर्मा के यहा करोड़ों रुपए की नगदी के जलने का मामला सामने के बाद न्यायपालिका पर उठे सवाल के उपरान्त न्यायधीशों द्वारा सम्पत्ति का विवरण देने सहमति वाकई अगले कुछ सालों में अपना रंग दिखायेगी। हालांकि ब्यौरा देने में अभी इतने होल है कि उनको भरने में समय लगेगा लेकिन देर सबेर इसका निर्णय सुखद होगा।

क होने के बाद दोबारा क्यों हो जाता है ब्रेस्ट कैंसर? एक्सपर्ट ने बताया

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना की पत्नी ताहिरा कश्यप को दूसरी बार ब्रेस्ट कैंसर हो गया है. सात साल पहले भी उनको ये बीमारी हुई थी और वह ठीक हो गई थी, लेकिन फिर से कैंसर हो गया है. कई मामलों में ये बीमारी दूसरी बार भी हो जाती है, लेकिन इसका कारण क्या है? इस बारे में एक्सपर्ट्स से जानते हैं. कैंसर सर्जन डॉ अंशुमान कुमार बताते हैं कि कुछ मामलों में ट्रीटमेंट के बाद भी कैंसर की कुछ सेल्स बची हुई रह जाती हैं. वह कुछ समय बाद दोबारा बढ़ने लगती हैं इससे कैंसर हो जाता है.

अगर ब्रेस्ट में नए कैंसर की उत्पत्ति होती है, तो यह दोबारा ब्रेस्ट कैंसर का कारण बन सकता है. कुछ महिलाओं में हार्मोनल प्रभाव ब्रेस्ट कैंसर फिर से होने का कारण बनते हैं. अगर महिला के परिवार में पहले किसी को ये बीमारी रही है तो जेनेटिक कारणों की वजह से दोबारा कैंसर हो जाता है. इस तरह के मामले सामने आते भी हैं. अगर कैंसर के इलाज के बाद किसी महिला ने अपनी लाइफस्टाइल फिर से खराब कर ली है और खानपान की आदतें बिगड़ गई हैं तो ये बीमारी दोबारा से हो सकती है.

क्या दोबारा हुआ कैंसर ज्यादा खतरनाक होता है?

डॉ. अंशुमान बताते हैं कि दोबारा हुआ कैंसर ज्यादा खतरनाक हो भी सकता है और नहीं भी, यह कई कारकों चीजों पर निर्भर करता है. दोबारा हुआ कैंसर का प्रकार पहले हुए कैंसर के प्रकार से अलग हुआ तो ज्यादा खतरनाक हो सकता है. ये भी देखना होता है कि इस बार के कैंसर की पहचान कौन सी स्टेज में हुई है.

अगर दूसरी बार का कैंसर एडवांस स्टेज का है तो यह ज्यादा खतरनाक हो सकता है. कुछ मामलों में कैंसर के लिए उपचार के विकल्प पहले हुए कैंसर के उपचार से अलग हो सकते हैं. दोबारा हुआ कैंसर रोगी की सेहत पर निर्भर करता है कि उसकी इम्यूनिटी कैसी है. अगर इम्यूनिटी हल्की होगी तो खतरा अधिक हो सकता है. ऐसे में अगर किसी को दूसरी बार ये बीमारी हुई है तो विशेष देखभाल की जरूरत हो सकती है.

दिशाहीन भीड़ की मानसिकता से समाज को सर्वाधिक खतरा

संजीव

सामाजिक सरोकार के परिवर्तन और उसके विरोध से उठे सवालों से सहमति और असहमति से उपजे असंतोष से भिड़ तंत्र द्वारा हिंसक अहिंसक प्रदर्शन से मानवता और सामाजिक एकरसता को सबसे बडा खतरा जन्म लेता जा रहा है यह राष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चिंतन का विषय बन चुका है। आज देश के लगभग अधिकतर राज्यों में चुनाव की प्रतिस्पर्धा और धार्मिक उन्माद से जल रहे हैं। मानवता चीत्कार कर रही है और आम नागरिक अपने जलते हुए घरों और परिजनों के मृत शव को देखकर भयभीत हो रहे हैं। मणिपुर, पश्चिम बंगाल और संभल की हिंसात्मक घटनाओं को देखकर धीरे-धीरे सामाजिक न्याय पर विश्वास उठता जा रहा है जब मंत्रियों और अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों के घरों में आग लगाई जा सकती है तो आम आदमी कि कोई अहमियत नहीं रह गई है। राज्य सरकारें हाथ में हाथ धरे बैठी केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है बड़ी विभीषिका के दृश्य सामने आ रहे है । भीड तंत्र द्वारा किया गया न्याय राज्य की विफलता है। जो कार्य राज्य की कार्यपालिका तथा न्यायपालिका द्वारा गुण दोष के आधार पर किया जाना चाहिए, आज उसे भीड़ तंत्र द्वारा किया जा रहा है, यह सार्वभौमिक अवधारणा है कि भीड़ को राजनीति और सत्ता मिलकर पैदा करते हैं, और यही सामूहिक लोगों की भीड़ राज्य के नियंत्रण से मुक्त होकर राज्य के अस्तित्व को चुनौती देने लगती है। और फिर सामने आती है माब लीचिंग। वर्तमान समाज उपभोक्तावादी हो गया है,आजकल सहयोग तथा सहिष्णुता की भावना तथा समझ लगातार कम होते जा रही है। हम की संयुक्त भावनाओं के बजाए मैं की प्रवृत्ति सामने आने लगी है । और समाज व्यक्ति केंद्रित विकास की ओर अग्रसर हो कर समाज का एक बड़ा तबका विकास के पथ से बहुत पीछे छूट गया है। वस्तुतः एक तरफा वैश्वीकरण तथा साधनों के केंद्रीकरण के कारण गरीबी तथा बेरोजगारी खुलकर सामने आने लगी है। भारत के 10% लोगों के पास देश की 58% संपत्ति का स्वामित्व है। एवं देश की पूंजी का 70% भाग 1 प्रतिशत लोगों के अधिकार क्षेत्र में है। ।यही कारण है कि भारत में भी फ्रांस एवं रूस की क्रांति जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। इस मामले में भारत में हर राज्य की भूमिका अलग-अलग तथा भिन्न भिन्न है। भारत की शिक्षा व्यवस्था भी भीड़ तंत्र को काफी प्रोत्साहित कर रही। बैचलर डिग्री तथा मास्टर डिग्री लेने के बाद डिग्री धारी लोग बेरोजगारी या अल्प रोजगार के कारण कुंठित हो रहे हैं। और यही कुंठा बेरोजगारी एवं गरीबी किसी भी घटना को भीड़ तंत्र की ओर खींचती है, फल स्वरूप मॉब लिंचिंग की अनेक घटनाएं सामने आने लगी हैं। दूसरी तरफ कानून का यह मानना है कि न्याय में विलंब न्याय को नकारना है। भारत की न्याय व्यवस्था अपने लंबित मुकदमों तथा प्रकरण के कारण एक तरह से अन्याय को ही जन्म देती है। किसी हत्यारे या बलात्कारी को सजा देने का समय तब आता है, जब आरोपी बहुत बुजुर्ग अथवा मर चुका होता है।

भीड़ तंत्र अस्थाई रूप से समान मूल्यों तथा भावनाओं की पहचान के साथ जुड़े अलग-अलग समूहों के लोगों का शामिल एक बड़ा समूह है। भीड़ की कोई अपनी आंख शक्ल नहीं होती एवं भीड़ की कोई पहचान भी नहीं होती है। इसके उद्देश्य तत्कालिक होते हैं, यह भी हो सकता है कि भीड़ में जो एक क्षण पहले नायक हुआ करता था, वह अगले ही पल उस समूह का पीड़ित व्यक्ति भी हो सकता है। इतिहास में इसके कई उदाहरण है जहां भीड़ ने अपने नेता को पद से हटाकर उसकी विनाश लीला ही रचा दी थी। फ्रांस का शासक रोबेस्पीयर इसका एक बहुत बड़ा उदाहरण है।

और सिगमंड फ्रायड के अनुसार भीड़ में व्यक्ति अपने सारे मूल्य खोकर आदिम काल में पहुंच जाता है, और भीड़ में कोई धर्म नहीं रह जाता है। कार्यपालिका तथा न्यायपालिका की लेटलतीफी के कारण भीड़ को कानून का भय लगभग समाप्त हो गया है। धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार का स्पष्ट उल्लंघन कर किसी विशेष धर्म के लोगों को खानपान तथा व्यंजन के आधार पर कथित लोगों द्वारा किसी को भी निशाना बना कर उसकी हत्या कर दी जाती है, यह देश के लिए अत्यंत दुर्भाग्य जनक है। रही सही कसर सोशल मीडिया पूरा कर रहा है, फर्जी समाचार तथा राजनीतिक नियंत्रण के कारण सोशल मीडिया कई बार किसी विशेष वर्ग के द्वारा राजनीतिक संरक्षण में संचालित किया जा रहा है। लोकतंत्र का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा चौथा स्तंभ मीडिया भी जन जागरूकता के प्रचार प्रसार के बजाय घटनाओं को धर्म तथा वर्ग के आधार पर विशेष वर्ग के हितों को प्रचारित प्रसारित करता है, जो इस आदिम कॉल की व्यवस्था को पुष्पित पल्लवित करता है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रयोग सामाजिक विकास न्याय के स्थान पर अन्याय प्रकृति की तरफ बढ़ता नजर आ रहा है। मॉब लिंचिंग के कारण समाज में आम हिंसा की घटनाएं बढ़ने लगी है,इससे समाज की संस्कृति को दीर्घकालिक क्षति होगी। इस तरह भीड़ तंत्र के द्वारा की गई हिंसक घटनाओं तथा हत्या से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की साख की गिरावट भी होती है, एवं आर्थिक क्षेत्र में निवेश पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इसी तरह हिंसक घटनाओं से पलायन तथा संसाधनों के विकास पर बाधा पड़ने से सामाजिक तथा आर्थिक क्षमता को बढ़ावा मिलता है।

भारत में स्वतंत्रता संग्राम भी सामूहिक भीड़ के माध्यम से ही जीता था,फ्रांस तथा रूस में भी भीड़ द्वारा सकारात्मक भूमिका निभाकर अनैतिक तथा अवैधानिक शासन तंत्र को खत्म किया था। भीड़ तंत्र द्वारा ही करप्शन अगेंस्ट इंडिया चलाकर का भी कुछ सफलता प्राप्त की थी।पर इस भीड़ तंत्र के न्याय की नकारात्मक भूमिका आज की स्थिति में ज्यादा है। अतः हमें इसे प्रोत्साहित नहीं करना चाहिए। भीड़ तंत्र तथा मॉब लिंचिंग को एक घनघोर सामाजिक बुराई समझकर सामाजिक संगठनों नागरिकों एवं शासन तंत्र द्वारा एक अभियान चलाकर ऐसे लोगों को हतोत्साहित कर कठोर कानून बनाकर इसे

ट्रम्प-मस्क के खिलाफ अमेरिका

जिस डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरी बार जीतकर आने के बाद उनके शपथ ग्रहण समारोह में न्यौता पाने के लिये भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उत्सुक थे और तत्काल बाद बगैर कोई खास अवसर के अमेरिका पहुंचकर उनसे मिल आये थे, उन्हीं ट्रम्प महाशय के खिलाफ अमेरिका की जनता सड़कों पर है। ये वे ही लोग हैं जिन्होंने उन्हें दूसरी बार दुनिया के सबसे ताकतवर देश की गद्दी सौंपी थी तथा इन्हीं के भरोसे ट्रम्प तीसरी बार राष्ट्रपति बनने के लिये वहां के संविधान में संशोधन तक लाने की तैयारी कर रहे हैं। वहां के शनिवार (5 अप्रैल) को उनके खिलाफ देशव्यापी प्रदर्शन किया गया जो हाल के वर्षों का उस देश का सबसे बड़ा जन प्रदर्शन रहा। अमेरिकी नागरिक मानने लगे हैं कि उन्होंने ट्रम्प को चुनकर बड़ी गलती की है। मुख्य वजह है ट्रम्प की नीतियां जिनके बारे में वे कह रहे हैं कि इससे अमेरिका दुनिया भर में अपने सहयोगियों को खो रहा है। उनकी टैरिफ नीति के साथ सामाजिक सुरक्षा पर आसन्न खतरों को लेकर वे बेहद गुस्से में हैं।

दुनिया के सबसे अमीर एलन मस्क भी जनता के निशाने पर आ गये हैं जिन्होंने ट्रम्प के प्रचार अभियान को तो सम्हाला ही था, ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद एक तरह से वे प्रशासन में खासमखास हैं। ट्रम्प ने उन्हें डीओजीई यानी सरकारी दक्षता विभाग का प्रमुख बना दिया है जो प्रशासन कर्मचारियों की बड़ी संख्या में कटौती करने का इरादा जाहिर कर चुके हैं। यह अलग बात है कि उन्होंने हाल ही में यह पद जल्दी छोड़ देने का ऐलान किया है। तो भी, ट्रम्प की नीतियों पर मस्क का कहा बहुत चलता है। वे पद छोड़ भी दें तो भी उनका प्रभाव बना रहेगा।

इस विशाल देश के सभी 50 राज्यों में 1400 से ज्यादा स्थानों पर ट्रम्प और एलन मस्क की नीतियों के विरोध में प्रदर्शन हुए जिनमें हजारों की संख्या में अमेरिकी नागरिक 'हैंड्स ऑफ' (हमारे अधिकारों से दूर रहो) की तख्तियां लिये हुए थे जिन पर ट्रम्प व मस्क की तस्वीरें थीं। विरोध प्रदर्शनों में 150 से अधिक संगठनों ने भाग लिया। बताया गया है कि 6 लाख से ज्यादा लोगों ने प्रदर्शनकारियों के रूप में अपने नाम पंजीकृत कराये थे। इनमें सामान्य नागरिकों के अलावा मानवाधिकार व श्रम संगठन के सदस्य, समलैंगिकों के अधिकारों के समर्थक, राजनीतिक कार्यकर्ता आदि शामिल थे। यह प्रदर्शन पूर्णतः शांतिपूर्ण रहा। किसी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं है। अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी को मिली सफलता के बाद ट्रम्प को राष्ट्रपति का पद सम्हाले अभी तीन माह भी नहीं हुए हैं, पर उनके कामकाज के तरीकों ने पूरे अमेरिका को नाराज कर दिया है। उनके कामों का प्रतिकूल असर न सिर्फ देश के भीतर वरन विश्व भर में पड़ने की सम्भावना है। खासकर उनकी टैरिफ नीति से, जिसे ट्रम्प द्वारा दुनिया भर के खिलाफ छेड़ा गया 'टैरिफ वॉर' कहा जा रहा है, अमेरिका को बड़ा नुकसान होने की आशंका व्यक्त की जा रही है।

अमेरिका में आप्रवासियों को जिस तरह से बाहर निकाला गया उससे भी लोगों में नाराजगी है क्योंकि ट्रम्प अपने दूसरे कार्यकाल में भेदभाव की नीति अपना रहे हैं। उन्होंने अपने देश में क्रूर पूंजीवादी व्यवस्था को बढ़ावा देने की जो नीति अपनाई है वह उनके अपने लोगों को इसलिये नहीं भा रही है क्योंकि उससे बड़े पैमाने पर लोगों की नौकरियां जा सकती हैं और कल्याणकारी कार्यक्रमों के बजट में कटौतियां सम्भव हैं। इससे उनके जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। आधे दशक से भी ज्यादा की अवधि में दुनिया भर में कई अनावश्यक निर्मित सैन्य मोर्चों पर, विशेषकर शीत युद्ध के दौरान अपने हजारों नागरिकों के प्राण गंवाने वाले अमेरिकियों को ट्रम्प की भड़काऊ व उकसाने वाली नीतियां रास नहीं आ रही हैं।

जंगलों पर छाया इंसानों का आतंक

प्रियंका सौरभ

हाल ही में एक अखबार की प्रमुख हेडलाइन पढ़ी—"शहर में बंदरों और कुत्तों का आतंक"। यह वाक्य महज एक खबर नहीं, बल्कि हमारे सोचने के तरीके का प्रतिबिंब था। हमने जानवरों के शहर में आने को "आतंक" करार दिया, लेकिन कभी यह सवाल नहीं पूछा कि वो शहर में आए ही क्यों जब कोई बंदर किसी कॉलोनी की छत पर उछलता है, या कोई कुत्ता कूड़े के ढेर में भोजन तलाशता है, तो वह कोई स्वाभाविक प्रक्रिया नहीं होती। यह उस संकट का संकेत होता है जिसे हम—मनुष्य—ने स्वयं गढ़ा है। जंगल, जो कभी इन जीवों का घर थे, अब रियल एस्टेट की परियोजनाओं, खनन कार्यों, सड़कों और डैमों की बलि चढ़ चुके हैं। आज अगर कोई सच में आतंक फैला रहा है, तो वह है इंसानी लालच और विकास का अंधा मॉडल।

प्राकृतिक आवासों पर हमला

भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में है जहाँ जैव विविधता की अद्भुत संपदा है। लेकिन यही भारत आज अपने ही जंगलों को खा रहा है। 2021 की ऋङ्क१२३ र४१५ि८ ङ्का क्ल्र्ल्र् रिपोर्ट बताती है कि भारत ने पिछले चार वर्षों में 1,100 वर्ग किलोमीटर से अधिक वनक्षेत्र खो दिया है। हरियाणा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा जैसे राज्यों में यह गिरावट विशेष रूप से चिंताजनक रही है। वन कटान केवल पेड़ों का नुकसान नहीं है। यह पूरी एक पारिस्थितिकी व्यवस्था का ध्वंस है। जब हम पेड़ काटते हैं, हम न सिर्फ ऑक्सीजन के स्रोत मिटाते हैं, बल्कि हजारों पशु-पक्षियों के घर उजाड़ देते हैं। यही कारण है कि आज हमें गाँवों और शहरों के आसपास बाघ, हाथी, भालू और यहाँ तक कि तेंदुए भी दिखने लगे हैं।

शहरों में जानवरों की बढ़ती उपस्थितिः एक चेतावनी

बंदरों का शहरों में आना आज एक आम दृश्य बन गया है। दिल्ली, वाराणसी, जयपुर, और देहरादून जैसे शहरों में बंदरों की आबादी तेजी से बढ़ी है। कारण स्पष्ट हैं—कम होती हरियाली, अधिक होता कूड़ा, और बिगड़ता पारिस्थितिक संतुलन। इसी तरह, आवारा कुत्तों की संख्या भी शहरों में नियंत्रण से बाहर हो चुकी है। अनुसार भारत में लगभग 3.5 करोड़ आवारा कुत्ते हैं, और हर साल हजारों लोग कुत्तों के काटने के शिकार होते हैं। मगर यह समस्या केवल स्वास्थ्य या सुरक्षा की नहीं है; यह समस्या हमारे कुप्रबंधन और लापरवाह विकास की है। हमने कूड़ा फेंकने के तरीकों को सुधारा नहीं, सार्वजनिक पशु-नियंत्रण कार्यक्रमों को प्राथमिकता नहीं दी, और अब जब जानवर हमारी बस्तियों में दिखते हैं, तो उन्हें "संकट" कह कर खुद को निर्दोष साबित करने की कोशिश करते हैं। जब कोई अखबार लिखता है कि "बंदरों का आतंक", तो वह केवल सूचना नहीं दे रहा होता, बल्कि एक धारणा गढ़ रहा होता है। यह धारणा कि जानवर आक्रमणकारी हैं।

और हम पीड़ित।

मीडिया की यही भाषा यह छिपा लेती है कि असल में हम ही उनके घरों में घुसे थे, उनकी जमीन छीनी, और अब जब वो अपनी जगह पाने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें दोषी ठहराते हैं। यह भाषा केवल संवेदनहीन नहीं, बल्कि खतरनाक भी है, क्योंकि इससे संरक्षण के प्रति समाज की समझ और सहानुभूति दोनों कमजोर पड़ती हैं।

वन्यजीव संघर्षः क्यों बढ़ रहा है

एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर साल औसतन 100 से अधिक लोग हाथियों के हमलों में मारे जाते हैं, और दर्जनों बाघ-मानव संघर्ष की घटनाएँ सामने आती हैं। मगर इन घटनाओं के पीछे की सच्चाई यह है कि वन्यजीवों का घर सिकुड़ता जा रहा है।

जंगलों में भोजन और पानी की कमी उन्हें मानव बस्तियों की ओर खींचती है। कभी-कभी वे रास्ता भटक जाते हैं, तो कभी उन्हें मजबूरी में खेतों और घरों में घुसना पड़ता है। यह संघर्ष उनके लिए भी घातक है—हर साल सैकड़ों जानवर इंसानी जवाबी हिंसा में मारे जाते हैं।

क्या हो सकता है समाधान

वन विभाग अक्सर संसाधनों और जनबल की कमी से जूझता है। इसके अलावा, जब विकास परियोजनाओं और वन्यजीव संरक्षण में टकराव होता है, तो अक्सर विकास को तरजीह दी जाती है, भले ही उसके दीर्घकालिक परिणाम विनाशकारी हों। इस संकट से उबरने के लिए केवल नीतियाँ नहीं, बल्कि सोच का परिवर्तन जरूरी है। कुछ संभावित उपाय इस प्रकार हैंः शहरी नियोजन में हरित क्षेत्र सुनिश्चित किया जाए – पार्क, बाग-बगिचे, और वृक्षारोपण को केवल सजावटी पहलू नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी के हिस्से के रूप में देखा जाए। वन्यजीव गलियारे (द्व'ंिी ङ्क११ङ्कि१२) विकसित किए जाएँ – जिससे जानवरों को सुरक्षित आवागमन का रास्ता मिले। कचरा प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाए – ताकि जानवर शहरी कूड़े पर निर्भर न हों। मीडिया और शिक्षा में संवेदनशीलता लाई जाए – जानवरों को 'आतंकवादी' बताने के बजाय उनके संघर्ष को समझने और सहानुभूति की भाषा अपनाई जाए। स्थानीय समुदायों को शामिल किया जाए – उन्हें संरक्षण के साझेदार बनाना होगा, विरोधी नहीं।

अंतिम बातः इंसान अकेला नहीं है इस धरती पर

हमें यह स्वीकार करना होगा कि यह धरती केवल हमारी नहीं है। जंगलों, नदियों, पहाड़ों, और समंदरों के साथ-साथ हर जीव-जंतु का इस पर उतना ही अधिकार है जितना हमारा। जब हम शहरों का विस्तार करते हैं, जब हम मॉल और एक्सप्रेसवे बनाते हैं, तब हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि किसी न किसी की जमीन छीनी जा रही है।

गाजा में नहीं थम रहे इजराइली हमले, ट्रंप-नेतन्याहू के बीच मुलाकात से पहलो एक टेंट-घर पर बड़ा हमला, 5 बच्चों समेत 15 की मौत

इजराइल . इजराइल की ओर से गाजा पट्टी हमलों का सिलसिला थमता नहीं दिख रहा है. युद्ध को लेकर बातचीत के लिए इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के लिए अमेरिका रवाना होने के बीच अलग-अलग जगहों पर हुए ताजा हमले में 32 लोगों की मौत हो गई जिसमें ज्यादातर बच्चे और महिलाएं शामिल हैं.

स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों की ओर से आज रविवार को जानकारी दी गई कि गाजा पट्टी पर इजरायल के नए हमलों में कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक दर्जन से अधिक महिलाएं और बच्चे शामिल हैं.

युद्धविराम खत्म कर इजराइल फिर कर रहा हमला

लंबे समय से इजराइल और हमास के बीच छिड़े युद्ध को खत्म कराने को लेकर बातचीत लगातार चल रही थी, लेकिन इजरायल ने हवाई हमला करते हुए पिछले महीने हमास के साथ युद्धविराम को खत्म कर दिया था, साथ ही उसकी ओर से हवाई और जमीनी हमले फिर से शुरू कर दिए गए.

सऊदी अरब ने भारत समेत 14 देशों के मुसलमानों पर क्यों लगाई पाबंदी, क्या उमरा करने भी नहीं जा पाएंगे?

नेशनल डेस्क. सऊदी अरब सरकार ने नए यात्रा प्रतिबंध लागू किए हैं. जिसमें भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश समेत 14 देशों के ऊपर ये प्रतिबंध लगाए गए हैं. विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक यह प्रतिबंध 13 अप्रैल से मध्य जून तक लागू रहेगा, यानी हज यात्रा पूरी होने तक ये प्रतिबंध जारी रहेंगे.सऊदी में हज यात्रा के दौरान दुनिया भर से आने वाले लोगों की संख्या काफी बढ़ जाती है और वो लोग भी मक्का मदीना पहुंच जाते हैं, जिनके पास हज वीजा नहीं है. जिसकी वजह हज मंत्रालय के इंतजाम में रुकावट पैदा हो जाती है. पिछले साल ऐसे ही हज में संख्या बढ़ने और अधिक गर्मी की वजह से एक हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी.

कौन से वीजा होंगे सस्पेंड?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नए दिशा-निर्देशों के तहत उमरा वीजा, बिजनेस विजिट वीजा और फैमिली विजिट वीजा को निलंबित कर दिया गया है. सऊदी अरब के वीजा प्रतिबंध से भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों के उन लोगों को निराशा हुई है, जो इन वीजा की मदद से हज के समय मक्का और मदीना जाना चाहते थे.

सऊदी क्राउन प्रिंस के निर्देश के बाद उठाया कदम

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अधिकारियों को सख्त वीज़ा विनियमन सुनिश्चित करने का आदेश दिया हैं.

बांग्लादेश में असली खिलाड़ी तो शेख हसीना के लोग निकले, कहानी सुन सिर पकड़ लेंगे यूनुस

बांग्लादेश. बांग्लादेश में जल्द ही आम चुनाव होने जा रहे हैं और देश की विभिन्न राजनीतिक पार्टियां चुनाव की तैयारी में लगी हुई हैं. ऐसा पिछले 15 सालों बाद होगा, जब शेख हसीना के बिना बांग्लादेश में चुनाव होंगे. पिछले साल दिसंबर में हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद अवामी लीग की प्रमुख शेख हसीना की सरकार गिर गई थी और अभी मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार देश का कार्यभार संभाल रही है.

हसीना के तख्तापलट के बाद उनके पार्टी अवामी लीग के नेताओं के खिलाफ हिंसा की कई खबरें सामने आई थी और नई सरकार में उनकी पार्टी पर प्रतिबंध मांग भी रखी गई थी. इस बार अवामी लीग चुनाव से दूर नजर आ रही है, निकले हसीना के लोग होने वाले बांग्लादेश के चुनाव में बड़ी ही चालाकी से हिस्सा लेने की कोशिश कर रहे हैं.

दूसरे राजनीतिक दलों में घुस रहे हसीना के लोग

हसीना के लोग अब अवामी लीग की जगह दूसरी पार्टियों की सदस्यता लेने की फिराक में ताकि इस चुनाव में वह अपनी जगह बना सके. जब ये बात हसीना विरोधियों को पता चली तो बवाल हो गया. आंदोलनकारी छात्रों द्वारा बनाई गई नेशनल सिटिज़न्स पार्टी (एनसीपी) के सदस्य सचिव अख्तर हुसैन ने कहा कि वे बांग्लादेश में अवामी लीग के पुनर्वास को स्वीकार नहीं करेंगे, क्योंकि उसने नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराध किए हैं.

उन्होंने यह बात शुक्रवार रात रंगपुर चैंबर बिल्डिंग में NCP आयोजकों के साथ बैठक के बाद एक पत्रकार के सवाल के जवाब में कही है. अख्तर ने यह भी कहा कि अगर अवामी लीग का कोई भी व्यक्ति घुसपैठ की कोशिश करेगा तो उसे कानून के हवाले कर दिया जाएगा.

छात्रों की पार्टी में हसीना के लोगों की जगह नहीं

अख्तर हुसैन ने कहा, अगर अवामी लीग का कोई भी व्यक्ति नेशनल सिटिज़न्स पार्टी के किसी भी कार्यक्रम में शामिल होने की हिम्मत करता है, तो हम उसका विरोध करेंगे. हम घुसपैठियों को कानून के हवाले कर देंगे.

उन्होंने आगे कहा, हमारा मानना ??है कि जिन लोगों ने बांग्लादेश में फासीवाद थोपा है, उन्हें किसी भी तरह से बांग्लादेश में राजनीति करने का नैतिक अधिकार नहीं है.

ट्रंप की टैरिफ नीति के खिलाफ America में छिड़ा विरोध, लगे ट्रंप-मस्क गो बैक के नारे

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति के बाद से ही दुनिया भर में हड़कंप मच गया है और अब यह विरोध अमेरिका के भीतर भी तेज हो गया है।

ट्रंप के द्वारा अन्य देशों पर टैरिफ लगाने के बाद से न सिर्फ विदेशी नागरिक बल्कि अब अमेरिकी नागरिक और नेता भी इसके खिलाफ आवाज उठाने लगे हैं। अमेरिका के 50 राज्यों में ट्रंप की टैरिफ नीति के विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं जिसमें लोग ट्रंप-मस्क गो बैक के नारे लगा रहे हैं।

क्या है विरोध की वजह?

ट्रंप के खिलाफ यह विरोध उनकी टैरिफ नीति के कारण हो रहे छटनी, आर्थिक मंदी और मानवाधिकार उल्लंघन जैसे मुद्दों पर हो

रहा है।

पहले जहां ट्रंप के दूसरे बार राष्ट्रपति बनने पर अमेरिकी जनता ने जश्न मनाया था वहीं अब सिविल राइट्स ग्रुप्स, श्रमिक संघ, एलजीबीटीक्यू समुदाय और महिला अधिकार संगठन ट्रंप की नीतियों का विरोध करने सड़कों पर उतरे हैं।

1200 से ज्यादा स्थानों पर प्रदर्शन

शनिवार, 6 अप्रैल को ट्रंप के खिलाफ 1200 से अधिक स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए। इस दौरान हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। 5 अप्रैल को हैंड्स ऑफ प्रोटेस्ट शुरू हुआ था जो ट्रंप प्रशासन की नीतियों के खिलाफ था।

प्रदर्शनकारियों ने खासकर छंटनी और सामूहिक डिपोर्टेशन की नीतियों के खिलाफ विरोध जताया। वाशिंगटन डीसी के नेशनल मॉल से लेकर मैनहैटन और बॉस्टन तक प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप और मस्क के खिलाफ नारे लगाए और कुलीनतंत्र से लड़ो (Fight The Oligarchy) जैसे नारे लगाए।

रविवार को 1400 से अधिक रैलियां

रविवार को भी विरोध प्रदर्शन जारी रहा और 1400 से अधिक रैलियां आयोजित की गईं। इस दिन की रैली का नाम हैंड्स-ऑन रखा गया। रैली में 6 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। हैंड्स-ऑन का मतलब था हमारे अधिकारों से दूर रहो।

अमेरिका में खसरे से एक और बच्चे की मौत, एक लापरवाही पड़ रही भारी

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिका के टेक्सास में खसरे की चपेट में आकर एक और बच्चे की मौत हो गई है। यह बच्चा भी खसरे से बचाव का टीका नहीं लगवाया हुआ था। अमेरिका इस समय पिछले लगभग तीन दशकों में खसरे के सबसे बड़े प्रकोप से जूझ रहा है। यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर (यूएमसी) हेल्थ सिस्टम, ल्यूबॉक ने जानकारी दी कि खसरे के कारण उनके अस्पताल में भर्ती एक स्कूली छात्र की मौत हो गई। बच्चे को पहले से कोई अन्य बीमारी नहीं थी।

इससे पहले, फरवरी में टेक्सास में एक अन्य बच्चे और मार्च की शुरुआत में न्यू मैक्सिको में एक वयस्क की खसरे से मौत हो चुकी है। सीडीसी (रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र) के अनुसार, इस वर्ष अब तक अमेरिका के 21 राज्यों में खसरे के 607 मामले सामने आ चुके हैं। यह संख्या 2023 में पूरे साल के मामलों की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। टेक्सास में अब तक 481 मामले दर्ज किए गए हैं, जो राज्य में पिछले कुछ दशकों में सबसे ज्यादा हैं।डॉ. पीटर होटेज, जो बायलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन के प्रमुख टीकाकरण विशेषज्ञ हैं, ने यदि मामले इसी तरह बढ़ते रहे तो हम 2019 के प्रकोप को भी पीछे छोड़ देंगे।

यह पिछले 30 वर्षों में सबसे खराब स्थिति बन सकती है। दुखद बात यह है कि इन मौतों को पूरी तरह से रोका जा सकता था।

उन्होंने चेतावनी दी कि,यदि टीकाकरण के खिलाफ गलत जानकारियों को फैलने दिया गया और टीकाकरण को लेकर हिचकिचाहट को दूर नहीं किया गया, तो अमीर देश भी इस तरह की बीमारियों से सुरक्षित नहीं रह पाएंगे।

इजराइल ने गाजा के 50 प्रतिशत हिस्से पर किया कब्जा, फिलीस्तीनियों के लिए लौटना असंभव

इंटरनेशनल डेस्क. हमास के खिलाफ पिछले महीने युद्ध फिर से शुरू करने के बाद से इजराइल ने गाजा पट्टी में अपने प्रभाव का तेजी से विस्तार किया है और अब वहां 50 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र उसके नियंत्रण में है। इजराइली सैनिकों और अधिकार समूहों ने बताया कि सेना द्वारा नियंत्रित सबसे बड़ा निकटवर्ती क्षेत्र गाजा सीमा के आसपास है, जहां सेना ने फिलीस्तीनी मकानों, कृषि भूमि और बुनियादी ढांचे को इस हद तक तबाह कर दिया है कि अब वहां रहना असंभव है। हाल के सप्ताह में इस सैन्य 'बफर जोन का आकार दोगुना हो गया है।

इजराइल का कहना है कि उसकी यह कार्रवाई अस्थायी रूप से जरूरी है ताकि सात अक्टूबर 2023 को हुए हमले के दौरान बंधक बनाए गए शेष लोगों को रिहा करने के लिए हमास पर दबाव बनाया जा सके। हमास द्वारा सात अक्टूबर 2023 को किए गए हमले के बाद यह युद्ध शुरू हुआ था। बहरहाल, मानवाधिकार समूहों और गाजा संबंधी मामलों के विशेषज्ञों का कहना है कि इजराइल के कब्जे वाली भूमि में क्षेत्र के उत्तर को दक्षिण से

विभाजित करने वाला गलियारा भी शामिल है और इसका इस्तेमाल दीर्घकालिक नियंत्रण के लिए किया जा सकता है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पिछले सप्ताह कहा था कि हमास की हार के बाद भी इजराइल गाजा में सुरक्षा नियंत्रण बनाए रखेगा और फलस्तीनियों को वहां से जाने के लिए मजबूर करेगा।

इजराइल के पांच सैनिकों ने बताया कि इजराइली सीमा के निकट ध्वस्तीकरण और 'बफर जोन का व्यवस्थित विस्तार 18 महीने पहले युद्ध शुरू होने के बाद से जारी है। टैंक दस्ते के साथ तैनात एक सैनिक ने कहा, ''उन्होंने (इजराइली बलों ने) वह सब कुछ नष्ट कर दिया जो वे कर सकते थे... (फलस्तीनियों के पास) वापस आने के लिए कुछ नहीं होगा, वे वापस नहीं आएंगे, कभी नहीं।

हताहत हुए सैनिकों के बारे में पूछे जाने पर इजराइली सेना ने कहा कि सेना अपने देश की रक्षा के लिए और विशेष रूप से सात अक्टूबर के उस हमले के कारण तबाह हुए दक्षिणी समुदायों में सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए काम कर रही है, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए थे और 251 बंधक बनाए गए थे।

सेना ने कहा कि वह गाजा में आम नागरिकों को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहती और वह अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करती है।

बड़ा झटका: इस देश मे भारत-पाकिस्तान समेत 14 देशों का वीजा किया बैन, जानें वजह?

नेशनल डेस्क. सऊदी अरब ने सुरक्षा कारणों और हज यात्रा के संचालन को बेहतर बनाने के लिए 14 देशों के नागरिकों के लिए वीजा पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है। इस फैसले में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, मिस्र, इराक, नाइजीरिया, जॉर्डन, अल्जीरिया, सूडान, इथियोपिया, ट्यूनीशिया, यमन और एक अन्य देश शामिल हैं। यह कदम सऊदी अरब द्वारा हज यात्रा के दौरान सुरक्षा को सुनिश्चित करने और अवैध प्रवास को रोकने के लिए उठाया गया है।सऊदी अधिकारियों का कहना है कि कई विदेशी नागरिक हज, उमराह या व्यापारिक यात्रा के बहाने देश में प्रवेश करते हैं, लेकिन उनका उद्देश्य अवैध रूप से अधिक समय तक सऊदी अरब में रहना होता है। इस स्थिति से निपटने के लिए सऊदी अरब ने वीजा प्रतिबंध और रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को अनिवार्य कर दिया है।

इसके अलावा, सऊदी अरब ने 13 अप्रैल तक हज वीजा आवेदन स्वीकार करने का ऐलान किया है। इसके बाद, हज यात्रा समाप्त होने तक कोई नया वीजा जारी नहीं किया जाएगा। इस कदम का उद्देश्य हज के दौरान होने वाली भीड़-भाड़ और

सुरक्षा संबंधी समस्याओं को रोकना है।

इसके साथ ही, सऊदी अधिकारियों ने हज यात्रा के लिए एक डिजिटल गाइड भी लॉन्च किया है, जो 16 भाषाओं में उपलब्ध है, ताकि पर्यटकों को यात्रा के दौरान मदद मिल सके। यह कदम 2024 में हज यात्रा के दौरान हुई 1000 से ज्यादा मौतों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है, ताकि इस बार सुरक्षा और सुविधाएं बेहतर हो सकें।सऊदी अरब ने चेतावनी दी है कि अगर कोई व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करता है और अवैध रूप से देश में प्रवेश करता है, तो उसे 5 साल के लिए सऊदी अरब में प्रवेश से प्रतिबंधित किया जा सकता है।

कनाडा ने अमेरिका को दिखाई सख्ती! विदेश मंत्री मेलानी जोली का बड़ा ऐलान

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ को लेकर कनाडा ने सख्ती दिखाई है ।कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने आज अमेरिका के नए टैरिफ और डोनाल्ड ट्रंप के ग्लोबल ट्रेड रीसेट अभियान पर तीखा बयान दिया है। मेलानी जोली ने कहा कि हम अमेरिका द्वारा उठाए गए कदमों का गंभीरता से मूल्यांकन कर रहे हैं। साथ ही, हमें अच्छी तरह से एहसास हो गया है कि अमेरिका के साथ हमारा रिश्ता अब कभी वैसा नहीं रहेगा जैसा पहले था।

उन्होंने आगे कहा कि हम अमेरिका के सबसे बड़े ग्राहक हैं। जब कोई अपने सबसे बड़े ग्राहक के साथ गलत व्यवहार करता है, तो इसका मतलब होता है कि वह अपनी पूरी व्यापारिक रणनीति बदलना चाहता है। अब कनाडा भी अपनी नीति में बुनियादी बदलाव करेगा।

गौरतलब है कि हाल ही में

अमेरिका ने कनाडा समेत कई देशों से आयात होने वाले उत्पादों पर नए टैरिफ (आयात शुल्क) लगाए हैं। इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रंप ने ग्लोबल ट्रेड रीसेट अभियान की घोषणा की है, जिसका मकसद है अमेरिकी उद्योगों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाना और व्यापार व्यवस्था को अमेरिका-केंद्रित बनाना। कनाडा लंबे समय से अमेरिका का सबसे भरोसेमंद और बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा है। हर दिन करोड़ों डॉलर का सामान दोनों देशों के बीच इधर-उधर होता है। मेलानी जोली के कड़े शब्द यह संकेत देते हैं कि कनाडा अब अमेरिका पर अपनी निर्भरता घटाकर अन्य देशों के साथ व्यापार बढ़ाने की दिशा में काम करेगा। कनाडा और अमेरिका के रिश्तों में बढ़ती दूरी का असर सिर्फ इन दोनों देशों तक सीमित नहीं रहेगा।

विशेषज्ञों के मुताबिक भारत जैसे देशों के लिए यह एक बड़ा मौका बन सकता है। कनाडा अगर अमेरिका से हटकर नए व्यापारिक साझेदारों की तलाश करता है, तो भारत के साथ व्यापारिक समझौते को तेज़ी मिल सकती है। भारतीय आईटी, कृषि और टेक्नोलॉजी सेक्टर के लिए कनाडा में नई संभावनाएं खुल सकती हैं। वैश्विक बाजार में अस्थिरता बढ़ सकती है क्योंकि अमेरिका के टैरिफ बढ़ाने से कई देशों के निर्यात प्रभावित होंगे। चीन भी इस मौके का फायदा उठाने की कोशिश कर सकता है, जिससे वैश्विक व्यापार प्रतिस्पर्धा और ज्यादा तेज होगी।

आसमान से सड़क पर आ गिरा विमान, चलती गाड़ियों के बीच की इमरजेंसी लैंडिंग

नेशनल डेस्क. ब्राजील में रविवार को एक बड़ा हादसा देखने को मिला है. यहां एक प्लेन का सड़क पर इमरजेंसी लैंडिंग करने का दिल दहलाने वाला वीडियो भी सामने आया है. हममें से ज़्यादातर लोगों के लिए, यह सोचना किसी बुरे सपने से कम नहीं है कि एक प्लेन को उसी सड़क पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़े, जिस पर कई कारें तेज़ी से जा रही हों.हालांकि, एक पायलट और कुछ तेज़-तर्रार ड्राइवर इस स्थिति का सामना करने पर हादसे से बचने में सफल रहे. **CNN** ब्राज़ील द्वारा साझा की गई एक्स क्लिप में शुक्रवार (5 अप्रैल) बिजली की कई लाइनों से बचते हुए एक हल्के विमान को सड़क पर अनिश्चित रूप से मंडराते हुए देखा गया है.

इंजन में खराबी की वजह से हुई घटना

कुछ सेकंड बाद, विमान दो ट्रकों के बीच में टरमैक पर उतरता है और व्यस्त सड़क के किनारे आकर रुक जाता है. दक्षिणी राज्य सांता कैटरीना के पास हुई यह घटना विमान के इंजन में खराबी के कारण हुई थी, जिसके कारण पायलट को ट्रैफिक में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी.

हादसे में कोई हताहत नहीं

राहत की बात यह है कि इस भयावह घटना में शामिल सभी लोग सुरक्षित हैं, पुलिस ने पुष्टि की है कि विमान के पायलट माटेउस रेनान कैलाडो (29) और यात्री, व्यवसायी वाल्डेमिरो जोस मिनेला (71) को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है. अधिकारी विमान को सड़क से हटाने में सफल रहे, जिसके बाद उस दिन शाम करीब 5 बजे यात्रियों के लिए सड़क को फिर से खोल दिया गया.

कुछ ही दिनों में छिड़ने वाली है मिलिट्री वार, बाबा वेंगा की चौंकाने वाली भविष्यवाणी

इंटरनेशनल डेस्क। बुल्गेरिया की प्रसिद्ध भविष्यवक्ता बाबा वेंगा, जिनकी भविष्यवाणियों को लेकर दुनिया भर में चर्चा होती रही है, ने 2025 को लेकर एक और चौंकाने वाली भविष्यवाणी की है। उनकी भविष्यवाणी के अनुसार, आने वाले समय में एक बड़े सैन्य युद्ध की शुरुआत हो सकती है, और यह युद्ध एक ऐसे देश में छिड़ेगा, जिस पर किसी की भी नजर नहीं थी। उनका कहना है कि इस युद्ध का असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा और यह वैश्विक संकट का रूप ले सकता है।बाबा वेंगा के अनुसार, यह युद्ध इस साल के भीतर ही शुरू हो सकता है, और यह सिर्फ एक सैन्य संघर्ष नहीं होगा, बल्कि इसके साथ एक विशाल राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल भी होगा। इस सैन्य युद्ध में उस

देश की स्थिति और भूमिका अहम होगी, जिस पर बाबा वेंगा ने अपने पूर्वानुमान में संकेत दिए हैं। हालांकि उन्होंने इस देश का नाम स्पष्ट रूप से नहीं लिया है, लेकिन उनके अनुयायी और विशेषज्ञ इस भविष्यवाणी को लेकर कयास लगा रहे हैं कि यह किस देश से जुड़ी हो सकती है।

2025 महामारी और सैन्य संघर्ष की चेतावनी बाबा वेंगा ने 2025 को लेकर जो भविष्यवाणी की है, वह गंभीर वैश्विक संकटों की ओर इशारा करती है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष एक महामारी उत्पन्न होगी, जो पूरी दुनिया को प्रभावित करेगी। इस महामारी के प्रभाव से इंग्लैंड इतना प्रभावित होगा कि उसे सैन्य कार्रवाई की स्थिति का सामना करना पड़ेगा। इसके साथ ही उन्होंने ब्रिटिश रॉयल फैमिली में भी आंतरिक संघर्ष की संभावना जताई, जिससे देश की राजनीतिक और सामाजिक स्थिरता प्रभावित हो सकती है।

बाबा वेंगा की भविष्यवाणी में ब्रिटिश शाही परिवार के भीतर एक आंतरिक युद्ध का भी जिक्र है, जिसे सिर्फ पारिवारिक विवादों तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि यह राष्ट्रीय राजनीति को भी प्रभावित करेगा। पिछले कुछ वर्षों में प्रिंस हैरी और मेघन मार्कल की गतिविधियां और बकिंघम पैलेस के अंदरूनी मुद्दे इस भविष्यवाणी को आधुनिक संदर्भ में जोड़ने के संकेत देते हैं।

अमेरिकी टैरिफ पर भड़का चीन, बोला– खतरे में वैश्विक सप्लाई चेन

इंटरनेशनल डेस्क। चीन ने सोमवार को अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह शुल्क (टैरिफ) लगाकर मनमानी कर रहा है और आर्थिक दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। चीन के विदेश मामलों के प्रवक्ता लिन जियान ने बीजिंग में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अंतरराष्ट्रीय नियमों को ताक पर रखकर अमेरिका एकपक्षवाद , संरक्षणवाद और आर्थिक धौंस का प्रदर्शन कर रहा है।

क्या है मामला ?

पिछले हफ्ते अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन समेत कई देशों से आने वाले उत्पादों पर व्यापक शुल्क लगाने की घोषणा की थी। इसके जवाब में चीन और अन्य देशों ने भी तुरंत जवाबी कार्रवाई की। चीन का कहना है कि अमेरिका के इस कदम से वैश्विक उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला को नुकसान हुआ है। दुनिया की आर्थिक सेहत पर गंभीर असर पड़ा है। लिन जियान ने चेतावनी दी कि अमेरिका का यह व्यवहार अंतरराष्ट्रीय व्यापार के नियमों और पारदर्शिता के सिद्धांतों का उल्लंघन है, जिससे वैश्विक व्यापार माहौल और निवेश स्थिरता दोनों को खतरा हो सकता है।

बता दें कि अमेरिका लंबे समय से चीन पर अनुचित व्यापार प्रथाओं का आरोप लगाता रहा है। ट्रंप प्रशासन ने कई चीनी उत्पादों पर अतिरिक्त शुल्क लगाया था, जिनका उद्देश्य अमेरिकी उद्योगों और कंपनियों की रक्षा करना था। इसके जवाब में चीन ने भी अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने की बात कही है। इस विवाद ने अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध की आशंका को और गहरा कर दिया है, जिसका असर न केवल दोनों देशों पर बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है।

ईरान में बड़ी बगावत, तनाव के बीच 60 हजार लड़ाकों का अमेरिका के सामने सरेंडर

इंटरनेशनल डेस्क। परमाणु डील को लेकर एक तरफ जहां ईरान पर अमेरिका नकेल कस रहा है. वहीं अब ईरान के भीतर ही बगावत हो गई है. ईरान समर्थित कम से कम 6 प्रॉक्सी संगठन ने अमेरिका के सामने सरेंडर करने की बात कही है. ईरान एक दर्जन से ज्यादा मिलिशिया ग्रुप को दाना-पानी देता है. इन ग्रुप के पास करीब 6 लाख लड़ाके हैं, जो इराक और मिडिल ईस्ट के देशों में फैले हुए हैं. मिलिशिया ग्रुप का संचालन ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामनेई के बेटे मोब्तजा खामनेई करते हैं.समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव को कम करने के लिए जिन संगठनों ने हथियार छोड़ने की बात कही है, उनमें कताइब हिजबुल्लाह और नुजबा ग्रुप प्रमुख है. दोनों गुटों का कहना है कि अगर तनाव कम करने के लिए हम हथियार छोड़ सकते हैं.

इन गुटों के पास कितने लड़ाके?

कताइब हिजबुल्लाह के पास करीब 30 हजार लड़ाके हैं. ये संगठन इराक और ईरान में सक्रिय है. इसे ईरान से ही संजीवनी मिलती है. इसी तरह नुजबा के पास 10 हजार लड़ाके हैं. बाकी के 4 संगठनों के पास भी करीब 20 हजार लड़ाके हैं.अगर कुल जोड़ देखा जाए तो इसकी संख्या 60 हजार के आसपास है. ऐसे में कहा जा रहा है कि जंग शुरू होने से पहले ही जिस तरीके से इन संगठनों से सरेंडर करने का रूख अपनाया है, उससे ईरान को झटका लग सकता है.

भारत-पुर्तगाल रिश्तों की नई शुरुआत, राष्ट्रपति मुर्मू ने किया ऐतिहासिक दौरा

इंटरनेशनल डेस्क। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पुर्तगाल और स्लोवाकिया की चार दिवसीय राजकीय यात्रा के पहले चरण के लिए रविवार को लिस्बन पहुंचीं। करीब तीन दशकों में भारत के राष्ट्रपति की दोनों देशों की यह पहली यात्रा है। पुर्तगाल में भारत के राजदूत पुनीत रॉय कुंडल और भारत में पुर्तगाल के राजदूत जोआओ रिबेरो डी अल्मेडिया ने फिगो मादुरो के सैन्य हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति का स्वागत किया। उनकी यात्रा ऐसे महत्वपूर्ण वैश्विक आर्थिक बदलाव के समय में हो रही है जब अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्कों ने अंतरराष्ट्रीय कारोबार को नया आकार दिया है और भारत के यूरोप के साथ संबंध बढ़ रहे हैं। फरवरी में, यूरोपीय आयोग की मुखिया उर्सुला वॉन डेर लिएन और यूरोपीय संघ (ईयू) कॉलेज ऑफ कमिश्नर्स ने भारत का दौरा किया था। भारत ने इस साल भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की उम्मीद जताई है।मुर्मू की पुर्तगाल की दो दिवसीय ''महत्वपूर्ण यात्रा, दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है। राष्ट्रपति की पुर्तगाल की यात्रा 27 वर्ष बाद हो रही है। सोमवार को राष्ट्रपति मुर्मू को गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा और वह पुर्तगाल के राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी

सूसा, प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो और एसेंबली स्पीकर डॉ. जोस पेड्रो एगुइर-ब्रैंको सहित शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठकें होंगी। बाद में, लिस्बन के मेयर कार्लोस मैनुअल फेलिक्स मोएदास राष्ट्रपति मुर्मू के लिए एक विशेष कार्यक्रम की मेजबानी करेंगे। वह राष्ट्रपति सूसा द्वारा आयोजित भोज में भी शामिल होंगी। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने राष्ट्रपति की यात्रा के बारे में शुक्रवार को जानकारी देते हुए कहा, ''भारत और पुर्तगाल के बीच व्यापार 1.5 अरब अमेरिकी डॉलर का है और पिछले पांच वर्षों में 50 प्रतिशत की वृद्धि के साथ लगातार बढ़ रहा है।उन्होंने कहा, ''हम अक्षय ऊर्जा, आईटी, फार्मास्यूटिकल्स, शिक्षा, पर्यटन और रक्षा के क्षेत्र में सहयोग में विस्तार देख रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि पुर्तगाल ने हमेशा भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी को गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा की संभावना के बारे में पूछे जाने पर लाल ने कहा था, ''हां, आपसी हितों के क्षेत्रों पर चर्चा की जाएगी। लाल ने कहा था, ''2000 में, पुर्तगाल के राष्ट्रपति द्वारा पहला भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था।

साथ ही 2021 में, भारत और यूरोपीय संघ के नेताओं का पहला शिखर सम्मेलन हुआ, जिसमें यूरोपीय संघ के सभी भागीदार देशों के नेताओं ने भाग लिया।

इसलिए भारत-पुर्तगाल संबंध में भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी का एक बहुत मजबूत तत्व है। पुर्तगाल की अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू विभिन्न पुर्तगाली संस्थानों में कार्यरत शोधकर्ताओं सहित भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत करेंगी।

चार मैचों में लगातार हार पर बोले विटोरी- हमें पता है इसके क्या नतीजे हो सकते हैं

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में लगातार चार मैच हार चुकी सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) की टीम के हेड कोच डेनियल विटोरी ने अपने टॉप ऑर्डर के एग्रेसिव स्टाइल का बचाव किया है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि बल्लेबाजों को परिस्थितियों का सम्मान करना होगा और यह समझना होगा कि विरोधी टीमें एसआरएच के टॉप-3 बल्लेबाज़ों के खिलाफ काफी रणनीति बनाकर उतर रही हैं। एसआरएच को रविवार रात गुजरात टाइटन्स ने 7 विकेट से हरा दिया। यह आईपीएल 2025 में एसआरएच की लगातार चौथी हार थी। हैदराबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ एसआरएच की बैटिंग एक बार फिर बिखर गई। टीम ने 20 ओवर में 152/8 का स्कोर बनाया, जिसे गुजरात ने सिर्फ 16.4 ओवर में तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया। मैच के बाद विटोरी ने कहा, हम जानते हैं कि हमारा खेलने का तरीका काम करेगा, लेकिन हमें परिस्थितियों का सम्मान करना होगा। ये चीज हम सही से नहीं कर पा रहे हैं। विरोधी टीमें हमारे टॉप-3 बल्लेबाजों के खिलाफ काफी सोच-समझकर गेंदबाज़ी कर रही हैं और हम उसका तोड़ नहीं निकाल पा रहे।

बुमराह की मुंबई इंडियंस में वापसी, आरसीबी के खिलाफ मुकाबले से पहले टीम से जुड़े

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में संघर्ष कर रही मुंबई इंडियंस के लिए बड़ी राहत वाली खबर है। टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सोमवार को मुम्बई के वानखेड़े स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ होने वाले मैच से पहले टीम के साथ जुड़ गए हैं।माना जा रहा है कि बुमराह बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में बीसीसीआई के मेडिकल स्टाफ से मंजूरी मिलने के बाद शनिवार को मुंबई इंडियंस से जुड़ गए। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर बुमराह की वापसी की खबर शेयर की है। टीम ने बुमराह की फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, जंगल का राजा अपने किंगडम में वापस आ गया है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो के मुताबिक बुमराह महेला जयवर्धने के नेतृत्व में मुंबई इंडियंस के सहयोगी स्टाफ के साथ समन्वय कर अपनी वापसी का कार्यक्रम तय करेंगे। बुमराह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिडनी टेस्ट के दौरान चोटिल हो गए थे। उन्हें पीठ के निचले हिस्से में परेशानी हुई थी। उसके बाद बुमराह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी भी नहीं खेल पाए थे। जनवरी से वह सीओई में ही रिहैब प्रक्रिया से गुजर रहे थे। बुमराह के आने से मुंबई को मिलेगी मजबूती रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मुकाबला सोमवार शाम को खेला जाएगा। मुंबई की टीम चार में से एक जीत और तीन मैच हारकर पॉइंट्स टेबल में इस समय 8वें पायदान पर है।

बैसाखियों उछालकर कभी मनाया था जश्न, अब इस बल्लेबाज ने 59 बाऊंड्रीज के साथ 371 रन ठोके

नई दिल्ली। काउंटी चैंपियनशिप 2025 की शुरूआत में ही टांटन के कूपर एसोसिएट्स काउंटी ग्राउंड में वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ इंग्लैंड के क्रिकेटर टॉम बैंटन ने रिकॉर्ड 371 रनों की पारी खेली है। क्रीज पर लगभग 9 घंटे तक टिके रहने के दौरान बैंटन ने 403 गेंदों का सामना करते हुए 56 चौके और दो बड़े छक्के लगाए और अपनी टीम को 670 रन तक पहुंचा दिया। बैंटन जब क्रीज पर आए तो समरसेट के 39 रन पर 3 विकेट गिर चुके थे। लेकिन बैंटन ने इसके बाद जेम्स रॉ के साथ मिलकर ताबड़तोड़ शॉट लगाते हुए दोनों ने 371 रन की पार्टनरशिप की। मैच की शुरूआत में वॉर्सेस्टरशायर ने पहले खेलते हुए 164 रन ही बनाए थे। सितंबर 2024 में, काउंटी चैंपियनशिप में सरे के खिलाफ टूटे टखने के बावजूद बैंटन ने पहली पारी में 132 रन बनाए और टीम की रोमांचक जीत में योगदान दिया। जीत के बाद बैसाखियों के सहारे मैदान पर जश्न मनाने का उनका जुझारूपन प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बना। उन्होंने फ्रैंचाइज़ी क्रिकेट में सफलता हासिल की।

जयवर्धने ने भरी दहाड़, बुमराह के वापस आने पर बोले- किसी भी टीम को हरा सकते हैं

मुंबई। मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा कि मुंबई इंडियंस में किसी भी टीम को हराने की क्षमता है लेकिन उसे सभी क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने और आक्रामक होने की जरूरत है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ होने वाले आईपीएल मुकाबले की पूर्व संध्या पर जयवर्धने ने कहा कि मुंबई इंडियंस के पास शीर्ष पर ज्यादा बल्लेबाज नहीं हैं, लेकिन उनके पास जो अनुभव है, वह उन्हें दूसरों से अलग करता है। आईपीएल में हमेशा से धीमी शुरुआत करने वाली मुंबई इंडियंस चार मैचों में तीन हार के बाद फिलहाल अंक तालिका में आठवें स्थान पर है लेकिन जसप्रीत बुमराह की वापसी से उसे अपनी किस्मत बदलने की उम्मीद है। जयवर्धने ने ट्रेनिंग से पहले कहा कि हमारे पास मध्य क्रम में सूर्यकुमार यादव, तिलक और हार्दिक पंड्या जैसे खिलाड़ी हैं जो हमारे लिए 'लग्जरी? हैं। शायद हमारे पास जो अनुभव है, वह कुछ अन्य टीमों के पास नहीं है।

आईपीएल 2025: सनराइजर्स हैदराबाद की लगातार चौथी हार, गुजरात ने 7 विकेट से हराया

एजेंसी

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, हैदराबाद में खेले गए मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। वहीं, हैदराबाद की यह लगातार चौथी हार रही, जिससे उसकी स्थिति टूर्नामेंट में और कमजोर हो गई है। हैदराबाद की ओर से मिले 153 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की शुरुआत लड़खड़ाई और टीम ने तीसरे ओवर तक अपने दोनों सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन (5 रन) और जोस बटलर (0 रन) को गंवा दिया। लेकिन कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 61 रन) और ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर (49 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 90 रनों की बेहतरीन साझेदारी कर टीम को संभाल लिया। गिल ने 43 गेंदों में

9 चौकों की मदद से शानदार अर्धशतक जड़ा। वहीं सुंदर ने 29 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्के लगाकर 49 रन बनाए, जो उनका आईपीएल करियर का सर्वोच्च स्कोर रहा। सुंदर के आउट होने के बाद शेरफाने रदरफोर्ड ने 16 गेंदों में नाबाद 35 रन की तेज तर्रार पारी खेली और गिल के साथ 21 गेंद में 47 रनों की साझेदारी करते हुए 16.4 ओवर में ही टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

हैदराबाद के लिए मोहम्मद शमी ने दो विकेट और पैट कमिंस ने एक विकेट अपने नाम किया।

इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद की टीम पूरी तरह संघर्ष करती दिखी और 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 152 रन बनाए। टीम के लिए नीतीश रेड्डी (31), हेनरिच क्लासेन (27) और कप्तान पैट कमिंस (22 नाबाद) ने कुछ योगदान जरूर दिया, लेकिन सिराज की धारदार गेंदबाज़ी के आगे पूरी टीम दबाव में दिखी। मोहम्मद सिराज ने 17 रन देकर 4 विकेट झटके। उनके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा और साई किशोर ने दो-दो विकेट लेकर सनराइजर्स को पहले बल्लेबाजी करते हुए 152 रन तक सीमित कर दिया।

संन्यास की अफवाहों के बीच धोनी का आया बड़ा बयान, बोले- अभी मेरे पास समय है

एजेंसी

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी का संन्यास की अफवाहों के बीच बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने खुद संन्यास के सवाल पर जवाब दिया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि वह अभी कहीं नहीं जा रहे। उनके पास अभी समय है यह तय करने के लिए वह आगे खेल सकते हैं या नहीं। दरअसल, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन के 17वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स का दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच था। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में हुए मैच में दिल्ली ने 25 रन से जीत दर्ज की। इस मैच को देखने धोनी के माता-पिता भी स्टेडियम पहुंचे थे। धोनी की पत्नी साक्षी और बेटी जीवा भी मौजूद थीं। इसी दौरान धोनी के संन्यास की अफवाह ने जोर पकड़ा था। हालांकि, मैच के बाद धोनी ने ऐसी कोई घोषणा नहीं की। अब धोनी ने अपने आईपीएल संन्यास को लेकर इन सारी अफवाहों पर विराम पूरी तरह से लगा दिया है। धोनी ने राज शमानी के साथ पॉडकास्ट में पुष्टि की कि वह इस सीजन के अंत में अपने करियर को अलविदा नहीं कह रहे हैं। उन्होंने संन्यास के सवाल पर कहा कि नहीं, अभी नहीं, मैं अभी भी आईपीएल में खेल रहा हूं और मैंने इसे बहुत सरल रखा है। मैं इसे एक बार में एक साल के हिसाब से देखता हूं। मैं 43 वर्ष का हूं, इस जुलाई तक मैं 44 वर्ष का हो जाऊंगा। मेरे पास यह निर्णय लेने के लिए 10 महीने हैं कि मुझे एक और वर्ष खेलना है या नहीं। उन्होंने कहा कि यह मैं नहीं हूं जो निर्णय ले रहा हूं, यह शरीर है जो आपको बताता है कि आप कर सकते हैं या नहीं। अभी जो करने की जरूरत है, उस पर पूरा ध्यान केंद्रित है।

भारत के सबसे महंगे रग्बी खिलाड़ी बने मोहित खत्री, जून में होगा आरपीएल सीजन-1 का आगाज

एजेंसी

मुंबई। भारत में पहली बार फ्रेंचाइजी आधारित रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) का आयोजन होने जा रहा है। जीएमआर और इंडियन रग्बी फुटबॉल यूनियन द्वारा आयोजित इस लीग का उद्घाटन संस्करण जून में मुंबई में होगा, जिसमें छह टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी। पहले सीजन में बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स, चेन्नई बुल्स, दिल्ली रेड्ज, हैदराबाद हीरोज, कलिंगा ब्लैक टाइगर्स और मुंबई ड्रीमर्स मैदान में उतरेंगी। प्रत्येक टीम ने 13 खिलाड़ियों की स्क्वाड बनाया है, जिसमें आठ इंटरनेशनल खिलाड़ियों को ड्राफ्ट से और 5 भारतीय खिलाड़ियों को नीलामी के माध्यम से चुना गया। नीलामी में मोहित खत्री को बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स ने 4.75 लाख रुपये में खरीदा, जिससे वे भारत के सबसे महंगे रग्बी खिलाड़ी बन गए। उनके साथ ही करण राजभर, अर्पण छेत्री, सुरेश कुमार और प्रशांत सिंह को भी टीम ने अपने साथ जोड़ा। यह टूर्नामेंट रग्बी सेवन फॉर्मेट में 01 जून से शुरू होगा और 15 जून को अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में भव्य फाइनल के साथ संपन्न होगा। 34 मैचों में भारत और दुनिया भर के 48 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हिस्सा लेंगे,

जिनमें न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, फिजी, अर्जेंटीना, आयरलैंड और अमेरिका जैसे देशों के सितारे शामिल हैं। जीएमआर स्पोर्ट्स के सीईओ सत्यम त्रिवेदी ने कहा, आरपीएल भारत में रग्बी को एक नया मुकाम देगा। इससे भारतीय खिलाड़ियों को वैश्विक स्तर पर सीखने का शानदार अवसर मिलेगा। इंडियन रग्बी फुटबॉलल यूनियन के अध्यक्ष राहुल बोस ने कहा, छह साल की मेहनत के बाद ये सपना साकार हुआ है। वर्ल्ड रग्बी की मदद से हमें 15 दिन की विंडो मिली, जिसमें दुनियाभर के स्टार खिलाड़ी उपलब्ध हैं।

तेलंगाना, दादरा एवं नगर हवेली और दमन-दीव ने दर्ज की पहली जीत

एजेंसी

झांसी। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 के तीसरे दिन, झांसी में खेले गए मुकाबलों में तेलंगाना हॉकी और दादरा एवं नगर हवेली और दमन और दीव हॉकी की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी-अपनी पहली जीत दर्ज की। यह दोनों मुकाबले डिवीजन 'बी' के अंतर्गत खेले गए। पहले मैच में तेलंगाना हॉकी ने प्रभावशाली खेल का प्रदर्शन करते हुए हॉकी उत्तराखंड को 4-0 से पराजित किया। मुकाबले की शुरुआत से ही तेलंगाना ने आक्रामक रुख अपनाया। वेंकटेश तेलगु ने 8वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद मोहम्मद अफ्फान खान ने 15वें और 50वें मिनट में दो गोल दागकर टीम की स्थिति को और मजबूत किया। मैच के अंतिम क्षणों में राम कुमार वेत्ति ने 60वें मिनट में गोल करके जीत पर मुहर लगा दी। दूसरे मुकाबले में दादरा एवं नगर हवेली और दमन और दीव हॉकी ने रोमांचक मुकाबले में असम हॉकी

को 2-1 से हराया। विजेता टीम की ओर से कुणाल यादव ने 11वें मिनट और सजल सक्सेना ने 16वें मिनट में गोल किए। असम की ओर से डॉ पवन ने 21वें मिनट में एकमात्र गोल किया, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सके। दोनों टीमों के लिए यह जीत न केवल आत्मविश्वास बढ़ाने वाली रही, बल्कि टूर्नामेंट में उनके लिए नई शुरुआत की तरह भी है। प्रतियोगिता में आगे बढ़ने के लिए यह तीन अंक बेहद अहम साबित हो सकते हैं।

रुद्रांक्ष ने शूटिंग वर्ल्ड कप में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में जीता गोल्ड, बाबूता सातवें स्थान पर

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष बलासाहेब पाटिल ने अर्जेंटीना में चल रहे आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं, भारत के ही अर्जुन बाबूता फाइनल में सातवें स्थान पर रहे।

शानदार शुरुआत से अंत तक छाए रहे रुद्रांक्ष

रुद्रांक्ष ने फाइनल की शुरुआत से ही बढ़त बना ली थी। पहले सीरीज में 53.2 अंक जुटाकर वह टॉप पर रहे और पूरे फाइनल के दौरान अपनी पकड़ बनाए रखी। हंगरी के इस्तवान पेनी एक बार उन्हें चुनौती देने की स्थिति में आए, लेकिन रुद्रांक्ष ने जल्द ही वापसी

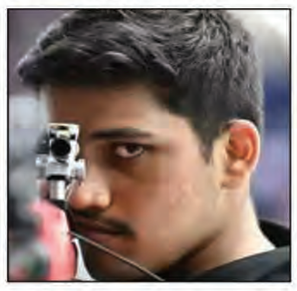

करते हुए गोल्ड मेडल पक्का कर लिया। पेनी को सिल्वर से संतोष करना पड़ा।

बाबूता नहीं दिखा सके दम, जल्दी हुए बाहर

दूसरी ओर अर्जुन बाबूता का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने शुरुआती पांच शॉट्स में सिर्फ 50.4 अंक हासिल किए। हालांकि एक 10.5 स्कोर ने उन्हें पहले एलिमिनेशन से बचा लिया, लेकिन अगली सीरीज में वह बाहर हो गए और सातवें स्थान पर रहे।

चीन और अर्जेंटीना के निशानेबाजों ने दी टक्कर

चीन के वांग होंघाओ ने कई बार एलिमिनेशन से खुद को बचाया, लेकिन ब्रॉन्ज मेडल की दौड़ में वह अर्जेंटीना के एम.जे. गुटिरेज़ से पिछड़ गए। गुटिरेज़ ने घरेलू दर्शकों के सामने कांस्य पदक अपने नाम किया।

क्वालिफिकेशन में भारतीयों का दबदबा

इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में बाबूता और रुद्रांक्ष ने क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया। बाबूता ने 634.5 और रुद्रांक्ष ने 633.7 स्कोर किया। किरण अंकुश जाधव ने भी टॉप आठ में जगह बनाई लेकिन वह आरपीओ (रैंकिंग पॉइंट्स ओनली) के तहत खेल रहे थे, जिससे वह फाइनल में जगह नहीं बना सके। दिव्यांश सिंह पंवार (628.0, आरपीओ) और हृदय हजारिका (624.6) भी प्रतियोगिता में शामिल रहे।

इंटर मियामी को टोरंटो एफसी ने 1-1 की बराबरी पर रोका

एजेंसी

नई दिल्ली। फोर्ट लॉडरडेल, फ्लोरिडा में लियोनेल मेसी की इंटर मियामी और फेडेरिको बेर्नार्डेस्की की टीम टोरंटो एफसी के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 से ड्रॉ समाप्त हुआ। गए मुकाबले में मेसी और फेडेरिको बेर्नार्डेस्की ने अपनी अपनी टीमों के लिए एक-एक गोल किए। इस ड्रॉ के साथ इंटर मियामी (4-0-2, 14 अंक) ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में पहले स्थान से फिसल गई, जबकि टोरंटो एफसी (0-4-3, 3 अंक) ने एक मुश्किल मुकाबले से अंक हासिल किया। पूरी ताकत के साथ उतरी इंटर मियामी, फिर भी जीत नहीं मिली इंटर मियामी की इस नाकामी को और निराशाजनक इसलिए भी माना जा रहा है क्योंकि टीम में लियोनेल मेसी के साथ लुइस सुआरेज, जॉर्डी अल्बा और सर्जियो बुस्केट्स जैसे दिग्गज खिलाड़ी शुरुआत से ही मैदान पर मौजूद थे। बावजूद इसके टीम दो बार गोल करने के बाद भी स्कोरबोर्ड पर बढ़त नहीं बना सकी, क्योंकि एक गोल को ऑफसाइड और दूसरे को फाउल करार देकर खारिज कर दिया गया। दूसरे हाफ की शुरुआत में, 47वें मिनट में लोरेंजो इन्सिन्ये के क्रॉस पर बेर्नार्डेस्की ने शानदार कंट्रोल दिखाते हुए दो डिफेंडरों से घिरे होने के बावजूद गोल कर टोरंटो को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, मेसी ने हाफ टाइम से ठीक पहले पांचवें मिनट की इंजरी टाइम में जवाबी हमला करते हुए टेलास्को सेगोविया की पास पर बॉक्स के बाहर से बाएं पैर से शानदार गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। यह मेसी का इस सीजन एमएलएस में तीसरा और सभी प्रतियोगिताओं में कुल छठा गोल रहा।

'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' में डॉ मनसुख मांडविया ने 4000 से अधिक साइकिल सवारों का नेतृत्व किया

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने राजकोट में आयोजित 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में 21 किलोमीटर की साइकिल रैली में भाग लेते हुए 4000 से अधिक साइकिल चालकों का नेतृत्व किया। यह पहल देशभर में 500 से अधिक स्थानों पर आयोजित की गई, जिसमें कुल 10,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया। यह आयोजन रोटरी राजकोट मिडटाउन और राजकोट साइकिल क्लब द्वारा गुजरात पुलिस के सहयोग से किया गया। हरियाणा के हिसार में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने साई कोचों और खिलाड़ियों के साथ मिलकर साइकिल चलाई और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार की इस पहल की सराहना की। दिल्ली में कार्यक्रम में एशियन ट्रैक साइकिलिंग चैम्पियनशिप के पदक विजेता रोनाल्डो लैतोंजम, डेविड बेकहम,

रोजित सिंह और ईसोव एल्बेन के साथ विदेशी कोच केविन सिरो भी उपस्थित रहे। इंडिया गेट के आसपास आयोजित इस आयोजन में 500 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इसमें जुम्बा, रस्सी कूद और पुश-अप जैसे फिटनेस एक्टिविटीज ने भी उत्साह बढ़ाया। केविन सिरो ने कहा, साइकिलिंग न केवल आसान और प्रभावी व्यायाम है, बल्कि यह प्रदूषण और ट्रैफिक की समस्याओं का समाधान भी है। वहीं रोनाल्डो ने युवाओं से आग्रह किया कि वे मोटापे से लड़ने के लिए साइकिलिंग को अपनाएं। बेंगलुरु, कोलकाता, विशाखापत्तनम, पोर्ट ब्लेयर, इम्फाल, गुवाहाटी, पटियाला, गंधीनगर, रायपुर जैसे शहरों में भी यह रैली पुलिस विभागों और साई केंद्रों के सहयोग से आयोजित की गई। अब तक यह साइकिलिंग आंदोलन देशभर में 5000 स्थानों पर आयोजित हो चुका है, जिसमें 2 लाख से अधिक लोग भाग ले चुके हैं। इसमें सेना, अर्धसैनिक बलों, पैरा एथलीट्स और बॉलीवुड से जुड़ी हस्तियों की भागीदारी ने इसे एक जनांदोलन बना दिया है।यह कार्यक्रम एमवाईएएस, साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया, माय बाइक्स और माय भारत के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

रिंकू सिंह ने टैटू का खोला राज, बोले- केकेआर ने मेरी जिंदगी बदल दी

कोलकाता ।कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह की बांह में गुदा टेटू उन्हे उस पल की याद दिलाता है, जिसने उनकी जिंदगी हमेशा के लिये बदल दी। नाइट बाइट के एक एपिसोड में रिंकू ने अपने क्रिकेट के सफर को याद करते हुये अपने टैटू के बारे में बात की, जिस पर 'भगवान की योजना, खूबसूरती से किया गया' लिखा हुआ था और साथ ही '2:20' लिखा हुआ था। ठीक वही पल जब वह कोलकाता नाइट राइडर्स से जुड़े और उसने उनकी ज़िंदगी हमेशा के लिए बदल दी। कोलकाता फ्रेंचाइजी के साथ अपने विशेष संबंध को दर्शाने वाले टैटू की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि जब मुझे 2018 में केकेआर ने 80 लाख रुपये में खरीदा था।

टिम डेविड वानखेड़े में खेलने को लेकर उत्साहित, बोले- रजत सुपर कैप्टन

एजेंसी

मुंबई। आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच होने वाले मुकाबले से पहले आरसीबी के ऑलराउंडर टिम डेविड ने अपनी पुरानी टीम मुंबई और भारतीय क्रिकेट के दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली को लेकर दिलचस्प बातें साझा कीं। टिम ने कहा, रोहित शर्मा और अब विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना शानदार अनुभव है। ये दोनों ही खिलाड़ी लंबे समय से इस टूर्नामेंट का हिस्सा रहे हैं और फैंस के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। ऐसे खिलाड़ियों के साथ खेलना हमेशा मजेदार होता है और माहौल बहुत शानदार बनता है।वानखेड़े स्टेडियम में खेलने को लेकर टिम ने कहा, ÷मुंबई लौटकर खेलना हमेशा अच्छा लगता है। यह मैदान बल्लेबाजों के लिए बेहतरीन है और यहां खेलने का अनुभव शानदार रहा

है। अब यह मेरा घरेलू मैदान नहीं है, लेकिन उम्मीद है कि मैं कल रात कुछ खास कर पाऊं। आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार की तारीफ करते हुए टिम ने कहा, राजत बेहद प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं। वह आक्रामक अंदाज में खेलते हैं और अपने रोल को बखूबी निभाते हैं। कप्तान के तौर पर वे शांत स्वभाव के हैं और उनकी योजनाएं स्पष्ट होती हैं। टीम में सकारात्मक माहौल बना है और इसमें उनका बड़ा योगदान है। वो टीम के सुपर कैप्टन हैं। आरसीबी के अब तक के प्रदर्शन पर टिम डेविड ने कहा, ÷हमारे लिए टूर्नामेंट की शुरुआत शानदार रही है। कोलकाता और चेन्नई जैसे मुश्किल मैदानों पर जीत हासिल करना बड़ी बात है। पिछला मैच हम जल्दी विकेट गंवाने की वजह से हार गए, लेकिन ऐसी चीजें कभी-कभी होती हैं। हमारी बल्लेबाजी मजबूत है और हम आत्मविश्वास से भरे हैं। मुंबई के खिलाफ मुकाबले को लेकर उन्होंने कहा, वानखेड़े की पिच देश की बेहतरीन बल्लेबाजी पिचों में से एक है। हमें एक और रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है और हम इसके लिए तैयार हैं।

बिली जीन किंग कप को लेकर उत्साहित हैं अंकिता रैना, बोलीं- भारतीय टीम का नेतृत्व करना सम्मान की बात

एजेंसी

पुणे। भारतीय महिला टेनिस टीम आगामी बिली जीन किंग कप 2025 एशिया-ओशिनिया ग्रुप एक मैचों के लिए कमर कस रही हैं और इसका नेतृत्व बेहद अनुभवी अंकिता रैना करेंगी। भारत के साथ-साथ चीनी ताइपे, हांगकांग चाइना, कोरिया गणराज्य, न्यूजीलैंड और थाईलैंड की टीमें पुणे में बिली जीन किंग कप 2025 एशिया-ओशिनिया ग्रुप एक में भाग लेंगी। मार्च के अंत तक सिंगल्स में दुनिया में 300वें स्थान पर रहने वाली अंकिता ने घर पर बिली जीन किंग कप 2025 एशिया-ओशिनिया ग्रुप 1 मैच खेलने को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने एक बयान में कहा कि बिली जीन किंग कप 2025 एशिया-ओशिनिया ग्रुप 1 खेल पुणे में हो रहे हैं और भारतीय टीम का नेतृत्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं 10 साल से ज्यादा समय से भारतीय टीम का हिस्सा रही हूं। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा से मेरा सपना रहा है और मैं इसे हासिल करके खुद को धन्य महसूस करती हूं। अंकिता ने आगे कहा, युवा खिलाड़ी शीर्ष 300 रैंक वाले खिलाड़ियों को एक्शन में देखने के लिए आ सकते हैं। भारतीय टीम की ओर से हम इस प्रतिष्ठित आयोजन को भारत में लाने के लिए महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस संघ को बधाई देना चाहेंगे। यहां जितने ज्यादा उच्च-गुणवत्ता वाले अंतरराष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी आएंगे, यह खेल के लिए उतना ही बेहतर होगा। अंकिता पांच सदस्यीय टीम का हिस्सा हैं। भारतीय टीम में सहजा यमलापल्ली, श्रीवल्ली भामिदिपति, वैदेही चौधरी और प्रार्थना थोम्बरे शामिल हैं, जबकि

किशोर सनसनी माया राजेश्वरन को रिजर्व खिलाड़ी के रूप में नामित किया गया है। अंकिता ने कहा कि अपने देश का प्रतिनिधित्व करते समय हर कोई खेल के मैदान पर हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देता है। जब आप टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम के साथ यात्रा करते हैं तो यह पूरी तरह से अलग अनुभव होता है और मुझे विश्वास है कि यह हमें एक टीम के रूप में बेहतर काम करने में मदद करेगा। उच्च दबाव वाले मैचों में खुद को शांत रखने को लेकर उन्होंने कहा, जब मैं 18 या 20 साल की थी, तब मुझे मेडिटेशन से परिचित कराया गया था और इसने निश्चित रूप से जूनियर स्तर से सीनियर स्तर पर जाने में मदद की, क्योंकि तब आपको कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आप अधिक अनुभवी खिलाड़ियों के खिलाफ खेल रहे होते हैं और कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे होते हैं और यह भी सीख रहे होते हैं कि मैच के महत्वपूर्ण क्षणों में क्या किया जा सकता है। इसलिए, मुझे लगता है कि ध्यान ने मुझे शांत रहने में मदद की है।

आने वाले सप्ताह में पुणे में भारत का सामना करने वाले प्रतिद्वंद्वी के बारे में बात करते हुए अंकिता ने बताया कि किसी को भी हल्के में नहीं लिया जा सकता है। उन्होंने कहा, यहां आने वाले सभी खिलाड़ी बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं और कोई भी हमें आसान खेल नहीं देगा।

कैसे

रश्मिका मंदाना

ने नेशनल क्रश से लेकर पैन-इंडिया स्टार तक पूरे देश में जीता दिल

विरासत से भरी दुनिया में, रश्मिका मंदाना ने कड़ी मेहनत, समर्पण और अपार प्रतिभा के साथ अपना रास्ता बनाया है, और भारत की सबसे पसंदीदा सितारों में से एक बन गई हैं। उनका स्टारडम सीमाओं को पार करता है, पूरे देश में हर घर तक पहुंचता है और अकल्पनीय ऊंचाइयों को छूता है। कूर्ग की एक छोटे शहर की लड़की से, जिसका कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं था, लेकिन बड़े सपने थे, वह सबसे अधिक मांग वाली अभिनेत्रियों में से एक बन गई है। अभिनेत्री आज अपने करियर में बड़ी उपलब्धियों के साथ एक साल और बड़ी हो गई है और आने वाले समय में और भी बहुत कुछ हासिल करने वाली है। जैसा कि वह जीवन का एक और वर्ष मनाती है, आइए उसकी अविश्वसनीय और प्रेरक यात्रा पर एक नज़र डालें !रश्मिका मंदाना ने 2016 में कन्नड़ फिल्म किरिक पार्टी से फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा, जो एक बड़ी हिट साबित हुई। उनकी आकर्षक ऑन-स्क्रीन उपस्थिति, स्वाभाविक अभिनय कौशल और निर्विवाद आकर्षण ने दक्षिण भारतीय सिनेमा के दर्शकों और फिल्म निर्माताओं का दिल जीत लिया। उन्होंने तेलुगु और कन्नड़ दोनों उद्योगों में सहजता से कदम रखा और लगातार दो ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं। गीता गोविंदम और डियर कॉमरेड जैसी प्रतिष्ठित फिल्मों के साथ, उन्होंने दक्षिण भारतीय सिनेमा में एक भरोसेमंद सुपरस्टार और एक प्रमुख अभिनेत्री के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की हालांकि, रश्मिका को सबसे बड़ी सफलता पुष्पा: द राइज़ से मिली, जिसमें उन्होंने अल्लू अर्जुन के साथ प्रतिष्ठित श्रीवल्ली की भूमिका निभाई। यह फिल्म एक बड़ी अखिल भारतीय ब्लॉकबस्टर बन गई, जिसने उन्हें देश भर में प्रसिद्धि दिलाई। उनके अभिनय की व्यापक रूप से सराहना की गई, लेकिन यह उनका विद्युतीय गीत सामी सामी था जो एक वायरल सनसनी बन गया, जिसने उन्हें एक सच्चे राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में स्थापित किया। अपने सहज आकर्षण और भाषाई और क्षेत्रीय बाधाओं से परे दर्शकों से जुड़ने की क्षमता के साथ, वह सबसे अधिक मांग वाले सितारों में से एक बन गई।

रश्मिका मंदाना ने अमिताभ बच्चन के साथ गुडबाय में अपनी शुरुआत के साथ बॉलीवुड में अपनी जगह बनाई, जो उनके हिंदी फिल्मी सफर की शुरुआत थी। बाद में उन्होंने ब्लॉकबस्टर एनिमल में अभिनय किया, जिसमें उनकी अविश्वसनीय बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और उनके प्रशंसक आधार का और विस्तार किया। उनकी संक्रामक ऊर्जा, विनम्रता और सापेक्षता ने उन्हें आज सबसे अधिक पसंद की जाने वाली हस्तियों में से एक बना दिया है। हाल ही में, उन्होंने छावा में दर्शकों को प्रभावित किया, जहाँ उन्होंने एक भयंकर मराठा रानी का किरदार निभाया, और सिकंदर में सलमान खान के साथ भी अभिनय किया। चाहे हिंदी हो, तेलुगु, कन्नड़ या तमिल सिनेमा, उन्होंने हर जगह दर्शकों को प्रभावित किया है। उनके बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया फैनडम उनकी अपार लोकप्रियता को दर्शाता है, क्योंकि वह प्रशंसकों के साथ खुलकर बातचीत और सशक्त संदेशों के माध्यम से जुड़ती हैं।

टीवी एक्ट्रेस की इस फिल्म ने भारत में की सबसे ज्यादा कमाई, 52 की उम्र में हैं कुंवारी, एक बच्चे की हैं मां

बॉलीवुड में हर साल ढेरों फिल्मे आती हैं. कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कहर बरपा देती है तो कुछ फिल्में फ्लॉप हो जाती है. अक्सर ही कुछ ऐसी कहानियां भी आती हैं जो फैंस का दिल छू लेती है. ऐसी ही एक फिल्म साल 2016 में भी आई थी जो न केवल बॉलीवुड बल्कि भारत की सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म बनी थी. आज भी वो फिल्म नंबर 1 बनी हुई है.

खास बात ये है कि इस फिल्म में लीड रोल निभाने वाले एक्टर की पत्नी का किरदार एक टीवी एक्ट्रेस ने निभाया था. अगर इतना कुछ बताने के बाद भी आप नहीं समझ पाए हैं कि वो फिल्म कौन सी थी तो हम आपको बता देते हैं. हम फिल्म 'दंगल' की बात कर रहे हैं. 'दंगल' में लीड रोल आमिर खान ने निभाया था. वो पहलवान महावीर सिंह फोगाट के किरदार में थे. जबकि उनकी पत्नी दया शोभा कौर का किरदार साक्षी तंवर ने निभाया था.

52 साल की उम्र में भी कुंवारी हैं साक्षी

साक्षी तंवर टीवी इंडस्ट्री का एक बड़ा नाम है. साक्षी का जन्म 12 जनवरी 1973 को राजस्थान के अलवर में हुआ था. उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 2001 में आए सीरियल 'करम' से की थी. लेकिन उन्हें 'कहानी घर घर की' और 'बड़े अच्छे लगते हैं' जैसे पॉपुलर टीवी शोज से पहचान मिली थी. इसके बाद उन्होंने फिल्मी दुनिया का रुख भी किया. अपनी प्रोफेशनल लाइफ में काफी कुछ हासिल कर चुकीं साक्षी पर्सनल लाइफ में अकेली रह गईं. 52 साल की उम्र पार करने के बावजूद उन्होंने शादी नहीं की.

बिन ब्याही मां बन चुकी हैं साक्षी

साक्षी तंवर ने चाहे शादी नहीं की हो लेकिन फिर भी वो मां बन चुकी हैं. दरअसल एक्ट्रेस ने अपने अकेलेपन को भरने के लिए बेटी दित्या तंवर को साल 2018 में गोद लिया था. उस समय दित्या करीब नौ महीने की थी. अब एक्ट्रेस की बेटी करीब सात साल की हो चुकी हैं. साक्षी 45 साल की उम्र में बिन ब्याही मां बनी थीं.

दंगल ने कमाए थे 2000 करोड़ से ज्यादा

'दंगल' ने न सिर्फ भारत में धूम मचाई थी, बल्कि दुनियाभर में इस फिल्म ने सुर्खियां बटोरी थी. नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बनी 'दंगल' का हिस्सा फातिमा सना शेख, सुहानी भटनागर, जायरा वसीम और सान्या मल्होत्रा भी थीं. 2074 करोड़ रुपये के वर्ल्डवाइड कलेक्शन के साथ दंगल भारत की सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म है.

92 अवॉर्ड जीते, वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया, फिर भी शाहरुख-अमिताभ की फिल्म से पीछे रह गए ऋतिक

सुपरस्टार ऋतिक रोशन ने अपने फिल्मी करियर का आगाज साल 2000 में किया था. ऋतिक रोशन ने अपने पिता राकेश रोशन के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'कहो ना प्यार है' से बॉलीवुड में कदम रखा था और ऋतिक पहली ही फिल्म से दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब हो गए थे. इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा.ऋतिक रोशन ने पहली फिल्म के जरिए ऐसा जादू चलाया जिसकी आज भी खूब चर्चा होती है. 'कहो ना प्यार है' काफी सफल हुई थी. इस फिल्म ने 92 अवॉर्ड जीते थे और इसके लिए इसे 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में जगह मिली थी. लेकिन इस फिल्म को कमाई के मामले में उसी साल रिलीज हुई अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान की फिल्म 'मोहब्बतें' ने पटखनी दी थी. 92 अवॉर्ड जीतने के बावजूद ऋतिक की फिल्म अमिताभ बच्चन की पिक्चर से कलेक्शन के मामले में मात खा गई थी.

'कहो ना प्यार है' ने कमाए थे 80 करोड़

'कहो ना प्यार है' 14 जनवरी 2000 को रिलीज हुई थी. इसने इस साल जनवरी में अपने 25 साल पूरे कर लिए हैं. इसमें ऋतिक के अपोजिट अहम रोल में अमीषा पटेल नजर आई थीं. ये ऋतिक के साथ ही अमीषा की भी डेब्यू फिल्म थी. दोनों कलाकारों ने बॉलीवुड में हिट डेब्यू किया था. फिल्म की कहानी के साथ ही इसके गानों ने भी फैंस को दीवाना बना लिया था. 10 करोड़ में बनी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कहर बरपा दिया था. कहो ना प्यार है का वर्ल्डवाइड कलेक्शन करीब 80 करोड़ रुपये हुआ था. ये उस साल की दूसरी सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म बनी थी.

'मोहब्बतें' हुई ब्लॉकबस्टर

साल 2000 में ही 'मोहब्बतें भी रिलीज हुई थी. इसमें अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान के अलावा ऐश्वर्या राय ने भी लीड रोल प्ले किया था.

इन तीनों दिग्गजों के अलावा फिल्म में जिमी शेरगिल, प्रीती झंगियानी, शमिता शेट्टी, जुगल हंसराज और किम शर्मा जैसे सितारों ने भी काम किया था. मोहब्बतें का डायरेक्शन आदित्य चोपड़ा ने किया था. फिल्म 13 से 19 करोड़ रुपये के बजट में तैयार हुई थी. वहीं इसने दुनियाभर में 90 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी और ये मल्टीस्टार फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही. मोहब्बतें साल 2000 की सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म भी बनी.

जूता चुराई की रसम में क्यों आया था

कैटरीना कैफ

को गुस्सा? विक्की कौशल ने शेयर किया शादी का मजेदार किस्सा

2021 में एक शादी काफी चर्चा में थी और वो विक्की कौशल-कैटरीना कैफ की शादी थी. इस शादी के बारे में किसी को लास्ट मोमेंट तक भनक नहीं लगी, सिर्फ अफवाहें थीं कि उनका अफेयर चल रहा है लेकिन जब शादी की तैयारियां शुरू हुईं तो लोगों ने कयास लगाए और फिर 9 दिसंबर 2021 को विक्की-कैटरीना ने शादी कर ली.

इस शादी में जूता चुराई रसम के दौरान कैटरीना कैफ को गुस्सा आ गया था लेकिन इसकी वजह क्या थी ?

फिल्म गोविंदा आला रे (2022) के प्रमोशन के लिए विक्की कौशल-कियारा आडवाणी के साथ 'द कपिल शर्मा शो' में पहुंचे थे. इस दौरान जब कपिल शर्मा ने जूता चुराई रसम के बारे में विक्की से पूछा तो एक्टर ने एक मजेदार किस्सा सुनाया, आइए जानते हैं वो क्या था ?

विक्की कौशल और कैटरीना कैफ की शादी

शो में कपिल शर्मा ने पूछा, 'विक्की पाजी एक बात बताओ, कैटरीना की 6 बहने हैं. तो वो जूता चुराई वाली रसम होती है, बहुत महंगी पड़ी होगी आपको तो ?' इसपर हंसते हुए विक्की कौशल ने जवाब दिया, 'पाजी मैं बताता हूं, उस दिन बहुत कमाल हो गया था.' कपिल शर्मा ने पूछा, 'वो सभी अंग्रेज हैं लेकिन उन्हें पता थी ये जूता चुराई वाली रसम ?' इसपर विक्की ने कहा, 'हां-हां, उनको पता लगा तो उन्होंने कहा बाकी शादी का तो पता नहीं लेकिन ये वाली रसम तो उन्हें करनी है. लुधियाना से मेरे दो भाई आए थे और उन्होंने कहा टेंशन ना लो हम संभाल लेंगे सबकुछ. तो जैसे ही मंडप पर जा रहे थे, बहनें आ गईं और खींचना शुरू, दोनों भाई भी झगड़ने लगे, मैंने कहा दफा हो जाओ, जो लेना है ले लो और जाओ. 'विक्की ने आगे कहा, 'लेकर वो लोग चले गए और कहीं जाकर छुपा दिया. दोपहर के फेरे थे, फेरे जब खत्म हुए तो कैटरीना को सनसेट में कुछ फोटोशूट करवाना था. फेरे हो गए, सबसे मिल लिए और अब फोटो करना है. मैंने कहा कराओ, जूता है नहीं दूल्हे के पास, सन जा रहा है, और कैटरीना ने डांट लगाई उनको जूता कहां है इसका.

मैंने कहा हमको कहां पता, आपको पता, जूता तो आपकी बहनों के पास है. फिर कैटरीना ने ही उनकी परेड लगाई, जूता लेकर आओ इसका अभी के अभी. बहनें बोल रहीं ला रहे लेकिन पैसे, तो वो कहती है पैसे मुझे नहीं पता जूते लाओ सनसेट के पहले फोटो नहीं आई तो मैं देख लूंगी तुम सबको. फिर सब दौड़कर गईं, फ्री में आए जूते.'

मेंढर में चलाया व्यापक तलाशी अभियान

पुंछ

मेंढर उपजिला के भाटाधुडिया इलाके में संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया गया। नियमित निगरानी के दौरान संदिग्ध गतिविधि का पता चलने के बाद तत्काल कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि अभियान अभी भी जारी है। एसएसपी पुंछ शफकत भट के निर्देश पर आज अभियान शुरू हुआ। उन्होंने बताया कि स्थानीय पुलिस और विशेष अभियान समूह (एसओजी) की संयुक्त टीम को तुरंत सक्रिय किया गया। अभियान का नेतृत्व एएसपी मेंढर मोहन शर्मा और एसपी एसओजी सुरनकोट सचिन गुप्ता कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबल इलाके की घेराबंदी करके किसी भी संदिग्ध तत्व को पकड़ने के लिए गहन तलाशी अभियान चला रहे हैं।

बिजली बोर्ड में बड़े पैमाने पर होगी फील्ड स्टाफ की भर्ती: सुक्खू

शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सोमवार को ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड (एचपीएसईबीएल) को मजबूत करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लोगों को बेहतर और निर्बाध बिजली सुविधा प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने बैठक में ऐलान किया कि बिजली बोर्ड के कार्यों को बेहतर और सुचारू रूप से संचालित करने के लिए बोर्ड में फील्ड स्टाफ की बड़े पैमाने पर भर्ती की जाएगी। उन्होंने कहा कि एचपीपीटीसीएल के अधिकारी और कर्मचारी राज्य में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं, जिनके प्रयासों की उन्होंने सराहना भी की। सुक्खू ने कहा कि वर्तमान में विद्युत बोर्ड के कई अधिकारी ऊर्जा निदेशालय, एचपीपीसीएल और पावर कॉरपोरेशन में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि इन अधिकारियों को 30 अप्रैल तक उनके संबंधित विभागों में स्थायी रूप से समायोजित होने का विकल्प दिया जाए। पद रिक्त होंगे, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर भरा जाएगा, ताकि बोर्ड की कार्यप्रणाली बेहतर हो सके। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि 100 मेगावाट की क्षमता वाली उहल चरण-3 जल विद्युत परियोजना का जल्द उद्घाटन किया जाएगा।

दलित, आदिवासी, पिछड़ा की लड़ाई हम लड़ेंगे: राहुल

बिहार में राहुल गांधी ने किया संविधान सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित

पटना

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि देश में अगर आप दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग, अति पिछड़ा और महिला हो तो आप दोयाम दर्जे के हो। हम आपकी लड़ाई लड़ेंगे। वह सोमवार को बिहार की राजधानी पटना में संविधान सुरक्षा सम्मेलन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राहुल गांधी ने कहा कि मैंने बिहार प्रदेश कांग्रेस की टीम को साफ निर्देश दिया है कि आपको बिहार के गरीबों का नेतृत्व करना है। आपको गरीबों व दलितों को आगे बढ़ाना है। हम आपको राजनीति में लाकर बिहार का चेहरा बदलना चाहते हैं। बिहार की भारतीय जनता पार्टी-जनता दल (यूनाइटेड) सरकार अरबपतियों के जरिए राजनीति चल रही है। अंबानी-अडाणी की राजनीति चल रही, उसको हम हराने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि इस देश को राजनीतिक रूप से बिहार ने हमेशा रास्ता दिखाया है। अंग्रेजों के खिलाफ राजनीतिक बदलाव आया तो बिहार की जनता ने आवाज बुलंद की। हम सबसे जरूरी लक्ष्य संविधान की रक्षा करना चाहते हैं। पहले प्रधानमंत्री मोदी 400 पार का नारा देते थे तो इंडिया गठबंधन सामने आया। रिजल्ट सबके सामने है। आपने लोकसभा चुनाव में संविधान को बचाने का काम किया। जहां भी मेरी जरूरत होगी, आप मुझे

बुलाओ मैं हाजिर हो जाऊंगा। आपकी लड़ाई मेरी लड़ाई है। इससे पहले राहुल गांधी "पलायन रोको नौकरी दो यात्रा" में शामिल होने के लिए बेगूसराय के सुभाष चौक पर पहुंचे। यहां से राहुल गांधी पैदल ही सुभाष चौक से लेकर हर हर महादेव चौक तक यात्रा में शामिल हुए। हजारों की संख्या में लोग उनके स्वागत में जुटे हुए थे। जगह-जगह राहुल गांधी को फूल बरसा कर उनका स्वागत किया। यह पदयात्रा कन्हैया कुमार के नेतृत्व में की गई थी। राहुल गांधी को देखने के लिए लोगों की काफी भीड़ उमड़ पड़ी। उल्लेखनीय है कि नमक सत्याग्रह आंदोलन की 95वीं वर्षगांठ के अवसर पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें नोनिया समाज के अमर शहीद बुद्धु नोनिया के योगदान के साथ ही शहीद प्रजापति रामचंद्र विद्यार्थी का स्वतंत्रता संग्राम में योगदान पर चर्चा की गई। साथ ही वर्तमान में अति पिछड़ा समाज की दशा और भारतीय संविधान पर बात हुई।

बेगूसराय में राहुल की पद यात्रा महज 24 मिनट में हुई समाप्त

पटना/बेगूसराय

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की बेगूसराय में पदयात्रा महज 24 मिनट में खत्म हो गई। वह कन्हैया कुमार की 'पलायन रोको और नौकरी दो' यात्रा में शामिल होने आए थे। इसके बाद राहुल गांधी पटना के लिए रवाना हो गए। राहुल गांधी का बेगूसराय में 11 बजे से लेकर 11:45 बजे तक कार्यक्रम तय था। इस दौरान उन्हें पदयात्रा में शामिल होने के साथ ही नुक्कड़ सभा को भी संबोधित करना था, लेकिन राहुल तय समय से 4 मिनट पहले ही 11.41 बजे ही पटना के लिए रवाना हो गए। कपस्या चौक टाउनशिप गेट के पास होने वाली नुक्कड सभा क्यों रद्द की गई, अभी तक इसकी वजह सामने नहीं आ पाई है। राहुल की पदयात्रा के दौरान करीब 10 हजार लोग मौजूद थे।

स्वास्थ्य मंत्रालय का बजट घटा- खरगे

नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की तरफ से विश्व स्वास्थ्य दिवस के मौके पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि, देश की स्वास्थ्य व्यवस्था आईसीयू में है और केंद्र ने पिछले पांच सालों में स्वास्थ्य मंत्रालय का बजट 42 फीसदी घटाया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को बदहाल करने का आरोप लगाया है। विश्व स्वास्थ्य दिवस के मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक 2 मिनट 8 सेकेंड का वीडियो पोस्ट किया है। इसके साथ कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा, विश्व स्वास्थ्य दिवस पर ये जानना जरूरी है कि आखिर किस तरह मोदी सरकार ने देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को आईसीयू में पहुंचाया है।

खरगे ने एक्स वीडियो पोस्ट कर कसा तंज

इस वीडियो की शुरूआत में लिखा गया है, 'दवाई, इलाज पर महंगाई की भाजपाई गोली।' इस वीडियो में मल्लिकार्जुन खरगे दावा किया है कि महंगे इलाज और कम सरकारी खर्च के आंकड़े सरकार के काम की गवाही दे रहे हैं।

वीडियो में क्या-क्या दावे किए गए?

कांग्रेस अध्यक्ष की तरफ से पोस्ट किए गए वीडियो में दावा किया गया है कि, 5 साल से देश की चिकित्सा मुद्रास्फीति 14% रही, जिससे इलाज कराने का खर्च अधिक बढ़ गया। इस अप्रैल से 900 जरूरी दवाइयों के दमा बढ़े हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट का हवाले देते हुए यह भी कहा गया है कि हर साल 10 करोड़ भारतीय महंगे इलाज की वजह से गरीबी की कगार पर पहुंच जाते हैं। इसके साथ ये भी कहा गया है कि, आम लोगों को स्वास्थ्य और जीवन बीमा के प्रीमियम पर 18% जीएसटी देना पड़ता है। उन्होंने चिकित्सा में उपयोग होने वाली आवश्यक वस्तुओं पर लगे जीएसटी की ओर इशारा किया, जिसमें मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन, सर्जिकल आइटम, पट्टियां, व्हीलचेयर और सैनिटरी नैपकिन पर 12 से 18% जीएसटी लगाया जाता है। एक साल में ही अस्पताल में होने वाले खर्च में 11.35% की बढ़त हुई है, जिनमें एंजियोप्लास्टी का खर्च दोगुना और किडनी ट्रांस्प्लांट का खर्च तीन गुना हो गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 के तहत स्वास्थ्य के लिए जीडीपी का 2.5% खर्च होना था, लेकिन मोदी सरकार ने केवल 1.84% ही खर्च किया। उन्होंने केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय का बजट पिछले पांच वर्षों में 42% कम हो गया है। उन्होंने खाली पदों की ओर इशारा करते हुए बताया कि भारत के 757 जिलों के 5,491 ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में लगभग 80% पद खाली पड़े हैं।

कांग्रेस का अधिवेशन आज से अहमदाबाद में

विदेश नीति और निजी क्षेत्र में आरक्षण होगा मुख्य मुद्दा

अहमदाबाद

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के गुजरात के अहमदाबाद में आठ अप्रैल से शुरू होने जा रहे दो दिवसीय अधिवेशन में विदेश नीति, शिक्षा और निजी क्षेत्र में आरक्षण के कार्यान्वयन पर फोकस होगा। अधिवेश की टैग लाइन, 'न्यायपथः संकल्प, समर्पण, संघर्ष' रखी गई है। इस दौरान पार्टी बूथ से विचाराधारा तक की चुनौतियों पर मंथन करेगी कांग्रेस। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि कई अहम मुद्दे हैं जिन पर कांग्रेस का रुख तय किया जाएगा। विदेश नीति,

शिक्षा, निजी क्षेत्र में आरक्षण का क्रियान्वयन, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण की रक्षा, महंगाई और विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। अधिवेशन के लिए मसौदा समिति सात अप्रैल को अहमदाबाद में अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप देने के लिए बैठक करेगी। यह रिपोर्ट कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को सौंपी जाएगी। अधिवेशन में राजनीतिक और आर्थिक प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी। इस दौरान कांग्रेस एससी/एसटी/ओबीसी के लिए मौजूदा अरक्षण की रक्षा पर जोर देगी।

अमित शाह ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर बीएसएफ की अग्रिम चौकी का किया दौरा

जम्मू

जम्मू और कश्मीर के तीन दिवसीय दौरे पर आये केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कठुआ जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा पर बीएसएफ की एक अग्रिम चौकी का दौरा किया। यहां पिछले एक पखवाड़े से पाकिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चल रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दोपहर के आसपास जम्मू से कठुआ के हीरानगर सेक्टर के लिए एक हेलीकॉप्टर से उड़ान भरी। उन्हें बाद में जमीनी हालात का आकलन करने के लिए सीमा

सुरक्षा बल (बीएसएफ) चौकी ह्यविनयह्व ले जाया गया। बीएसएफ के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी, जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात, बीएसएफ के महानिरीक्षक, जम्मू फ्रंटियर, शशांक आनंद और जम्मू क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने गृह मंत्री की अगवानी की। वरिष्ठ अधिकारी गृह मंत्री को सीमा पर जमीनी हालात के बारे में जानकारी देंगे। अमित शाह कठुआ से लौटने के बाद जम्मू में राजभवन में ड्यूटी के दौरान शहीद हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस कर्मियों के परिवार के सदस्यों से भी मिलेंगे और अनुकंपा के आधार पर चयनित कुछ पुलिसकर्मियों के स्वजनों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। पिछले साल अक्टूबर में नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार बनने के बाद शाह का केंद्र शासित प्रदेश का यह पहला दौरा है। मंगलवार को शाह श्रीनगर में राजभवन में एक बैठक में केंद्र शासित प्रदेश में विभिन्न विकास कार्यक्रमों का जायजा लेंगे।

वक्फ कानून: विपक्षी दलों ने उमर पर रिजिजू के लिए लाल कालीन बिछाने पर निशाना साधा

श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को यहां एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन में केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू से मुलाकात की, इस मुलाकात की विपक्षी दलों ने आलोचना की और इसे वक्फ कानून के प्रति सौहार्द करार दिया। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला भी इस मुलाकात के दौरान मौजूद थे।

विपक्षी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस ने इस मुलाकात को लेकर सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वक्फ अधिनियम पारित करने के मामले में वह बिना किसी दिखावे के भाजपा के सामने आत्मसमर्पण कर रही है। पीडीपी नेता नईम अख्तर ने कहा कि वक्फ कानून में सौहार्द इतनी जल्दी। जब सत्तारूढ़ पार्टी के सदस्य इस मुद्दे पर विधानसभा में नाटक कर रहे थे तब दिखावा भी नहीं किया गया। रिजिजू ने अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री के रूप में संसद में विधेयक का संचालन किया। पीडीपी के एक अन्य नेता और पुलवामा से पार्टी के विधायक वहीद पारा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के मुसलमानों को सरकार के राजनीतिक रंगमंच में एक सहारा मात्र बना दिया गया है मंच पर तो वे उपयोगी हैं लेकिन जब वास्तविक निर्णय लिए जाने हों तो उनका प्रतिनिधित्व करना बहुत असुविधाजनक है। पारा ने एक्स पर आरोप लगाया कि इस बीच, तमिलनाडु ने वक्फ विधेयक को पूरी तरह से खारिज कर दिया है क्योंकि उनके पास विरोध करने की हिम्मत है। लेकिन एनसी हमारे लोगों और संस्थानों की कीमत पर राजनीतिक लाभ के लिए आत्मसमर्पण करती रहती है। पुलवामा के विधायक ने कहा कि एनसी ने केंद्रीय मंत्री के लिए ट्यूलिप गार्डन में लाल कालीन बिछाया है जिन्होंने संसद में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया।

मतदान के दौरान वीवीपैट पर्चियों की 100% गिनती की याचिका खारिज

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस याचिका की सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें चुनाव आयोग को इलेक्ट्रॉनिक गिनती के अलावा वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) पर्चियों की 100 प्रतिशत हाथों से गिनती के लिए निर्देश देने की मांग की गई थी। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ इस मुद्दे पर दिल्ली उच्च न्यायालय के 12 अगस्त, 2024 के फैसले

के खिलाफ हंस राज जैन की याचिका पर विचार कर रही थी। 'विवादित फैसले में हस्तक्षेप करने का कोई अच्छा आधार नहीं'

सीजेआई ने हंस राज जैन की अपील को खारिज करते हुए कहा, 'हमें (दिल्ली उच्च न्यायालय के) विवादित फैसले में हस्तक्षेप करने का कोई अच्छा आधार नहीं मिला। विशेष अनुमति याचिका खारिज की जाती है'। सीजेआई ने आगे कहा कि उनके नेतृत्व वाली शीर्ष अदालत की पीठ ने पहले भी इसी तरह के मुद्दे उठाते हुए एक फैसला सुनाया था और इसे बार-बार नहीं उठाया जा सकता।

शीर्ष अदालत ने कहा था- ईवीएम सुरक्षित, सरल

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के डेटा का वीवीपीएटी रिकॉर्ड के साथ 100 प्रतिशत क्रॉस-सत्यापन करने की मांग करने वाली याचिकाओं को खारिज करते हुए शीर्ष अदालत ने तब कहा था कि ईवीएम सुरक्षित, सरल, सुरक्षित और उपयोगकर्ता के अनुकूल हैं।

महिलाओं के यौन उत्पीड़न मामले पर कर्नाटक के मंत्री के बिगड़े बोल

नई दिल्ली

कर्नाटक के गृहमंत्री जी परमेश्वर महिल यौन उत्पीड़न को लेकर दिए बयान पर विवादों में घिर गए हैं। बेंगलुरु में दो युवतियों से बीच सड़क पर हुई छेड़छाड़ की घटना पर उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं बड़े शहरों में अक्सर होती रहती हैं। जो भी कानूनी कार्रवाई की जानी है, वह कानून के अनुसार की जाएगी। मंत्री के इस बयान को लेकर भाजपा हमलावर हो गयी है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में सोमवार को कहा कि कर्नाटक के गृहमंत्री ने एक ऐसी घटना को महत्वहीन बताया है जिसने देश की अंतरात्मा को झकझोर दिया है, खासकर कर्नाटक के लोगों और खास तौर पर महिलाओं को। कर्नाटक में एक व्यक्ति ने एक महिला का यौन उत्पीड़न किया। सीसीटीवी फुटेज में घटना कैद हो गई। तीन से चार दिन हो गए हैं, फिर भी कर्नाटक पुलिस अपराधी को पकड़ने में असमर्थ है।

उत्तर भारत में गर्मी का कहर, 21 शहरों में पारा 42 डिग्री से ऊपर

नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी समेत उत्तर से लेकर मध्य और पूर्वी भारत में गर्मी का कहर शुरू हो गया है। पांच राज्यों के 21 शहरों में रविवार को अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया। राजस्थान के बाड़मेर में पारा 45.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो अप्रैल के पहले सप्ताह में अब तक का सबसे अधिक तापमान है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में तापमान 38.2 डिग्री रहा, लेकिन मौसम विभाग ने बुधवार तक लू चलने की चेतावनी दी है और यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और यहां तक कि ओडिशा के शहरों में भी लोगों को झुलसा देने वाली गर्मी का सामना करना

पड़ेगा। अप्रैल के पहले सप्ताह में लगभग हर शहर में 3 से 7 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि देखी गई है। मौसम विभाग के मुताबिक हवा की गति में कमी ने गर्मी के बढ़ने में अहम भूमिका निभाई है, खासकर दिल्ली में। विभाग की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि सुबह के समय हवा की गति 8-10 किमी प्रति घंटे रहती है, दोपहर तक यह कम होकर 4-6 किमी प्रति घंटे तक आ जाती है और फिर शाम तक गति कुछ बढ़ती तो है, लेकिन 8 किमी प्रति घंटे से कम ही रहती है। मौसम विभाग ने अगले 4 से 5 दिनों तक दिल्ली के अलावा हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, राजस्थान, उत्तर भारत और मध्य प्रदेश के मैदानी इलाकों में लू जैसी स्थिति की चेतावनी दी है। इस दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 20 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। उत्तर पश्चिम भारत, महाराष्ट्र और दक्षिणी भारत में अगले चार दिन में पारा 2 से 4 डिग्री तक बढ़ेगा और उसके बाद के तीन दिनों में इसमें 2 से 3 डिग्री की गिरावट आ सकती है। पूर्वी यूपी, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में बीते 24 घंटे में तापमान 40 से 43 डिग्री के बीच रहा।

यूपी में बढ़ेगा रात का पारा

मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में रात के तापमान में भी बढ़ोतरी का अनुमान जताया है। रविवार को प्रदेश के लगभग 10 जिलों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया। मौसम विभाग ने सोमवार व मंगलवार को आगरा और दिल्ली से सटे जिलों गाजियाबाद, हापुड़, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, आगरा, फिरोजाबाद और आसपास के इलाकों में लू के थपेड़े चलने की चेतावनी जारी की है।

चार धाम यात्रा मार्गों पर यात्रियों को बेहतर उपलब्ध कराई जाएगी स्वास्थ्य सुविधाएं

देहरादून

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत ने कहा कि चार धाम यात्रा के दौरान तीर्थ यात्रियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिये विभागीय अधिकारियों को यात्राकाल का ठोस रोड़मैप बनाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही यात्रा मार्गों पर तैनात आपतकालीन एम्बुलेंस सेवा 108 के रिस्पांस टाइम को घटाकर 15 मिनट करने के निर्दश दिए गए है। सोमवार को शासकीय आवास पर चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चार धाम यात्रा को लेकर समीक्षा बैठक की।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397